राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

ब्रेकअप के बाद न करें ये गलतियां...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

बुधवार, 08 फरवरी 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 49 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा:पीएम किसान योजना की सालाना राशि फिलहाल नहीं बढ़ेगी

नई दिल्ली। सरकार ने संसद

को बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) योजना में सालाना छह हजार रुपये की धनराशि में बढ़ोतरी का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। इस योजना के तहत पात्र किसानों को हर चार महीने पर तीन बार में दो हजार रुपये दिए जाते हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को लोकसभा में बताया कि सरकार के पास पीएम–किसान के लिए ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। पीएम–किसान योजना के तहत लाभार्थी किसानों को हर साल छह हजार रुपये सीधे उनके बैंक खाते में भेजे जाते हैं। ताकि वह बीज, खाद आदि खरीदने के लिए किसी पर आश्रित नहीं हों। उन्हें सरकार की ओर से मिलने वाली यह मदद बहुत राहत दे रही है। इस साल तीस जनवरी को सरकार ने 2.24 लाख करोड़ रुपये किसानों के बैंक खातों में वितरित किए हैं। उन्होंने बताया कि किसानों की आय दोगुनी करने के सरकार के प्रयासों के बहुत ही सकारात्मक नतीजे देखने को मिल रहे हैं। सरकार ने अप्रैल, 2016 में अंतर –मंत्रिमंडलीय समिति गठित की थी। ताकि किसानों की आय दोगुना करने वाले मुद्दों की पहचान की जा सके और उसे हासिल करने के लिए रणनीतियों की सिफारिश की जाए।

पर्यावरण परिवर्तन से देश में नई बीमारियां हो रही हैं उत्पन्न : तोमर

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि पर्यावरण परिवर्तन से देश में नई बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। इन रोगों से मानव से लेकर पशुओं और फसलों तक की सेहत खराब हो रही है। प्रदूषित वायु, पर्यावरण परिवर्तन और गर्मी संबंधी बीमारियों से हड्डियों और जल संबंधी बीमारियां हो रही हैं। इनकी पहचान क्लाइमेट चेंज एंड ह्यूमन हेल्थ ने करके राष्ट्रीय एक्शन प्लान तैयार किया है।

राहुल गांधी का बड़ा आरोप– दूसरी कंपनियों से एयरपोर्ट छीनकर अडानी को दिए

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को भाजपा सरकार पर निशाना साधा और लोकसभा में अडानी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि गौतम अडानी को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों को तोड़ा–मरोड़ा गया है। लोकसभा में सांसद राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ऑस्ट्रेलिया जाते हैं और जादू से ठप एक बिलियन डॉलर का लोन अडानी को देता है। प्रधानमंत्री फिर बांग्लादेश गए और 1500 मेगावाट बिजली का ठेका अडानी को चला जाता है। एलआईसी का पैसा अडानी

की कंपनी में क्यों डाला गया? राहुल गांधी ने कहा कि भारत सरकार ने सीबीआई–ईडी पर दबाव डालकर एजेंसी का प्रयोग करते हुए जीवीके से लेकर एयरपोर्ट को अडानी सरकार को दिलवाया गया। नियम बदलकर अडानी को 6 एयरपोर्ट दिए गए। मैं इसके सबूत भी दे दूंगा। ड्रोन सेक्टर में भी अडानी का कोई अनुभव नहीं। अडानी के लिए एयरपोर्ट के नियमों में बदलाव किए गए, नियमों को बदला गया और नियम किसने बदले यह जरुरी बात है। यह नियम था कि अगर कोई एयरपोर्ट के व्यवसाय में नहीं है तो वे इन एयरपोर्ट को नहीं ले सकता है। इस नियम को भारत सरकार ने अडानी के लिए बदला। राहुल गांधी ने कहा कि 2014 में दुनिया के अमीर लोगों की लिस्ट में अडानी 609 नंबर पर थे, पता नहीं जादू हुआ और यह दूसरे नंबर पर आ गए।लोगों ने पूछा आखिर यह सफलता कैसे हुई?और इनका भारत के च्ड के साथ क्या रिश्ता है?मैं बताता हूं कि यह रिश्ता काफी साल पहले शुरु हुआ जब नरेंद्र मोदी ब्ड थे। यात्रा में युवाओं ने हमसे कहा हमें पहले सर्विस और पेंशन मिलती थी लेकिन अब हमें 4 साल के बाद निकाल दिया जाएगा, वरिष्ठ अफसरों ने कहा कि हमें लगता है अग्नीवीर योजना हमसे नहीं बल्कि ै की ओर से आई है और इसे आर्मी पर थोपा गया।

विक्टोरिया गौरी बनीं मद्रास हाई कोर्ट की जज, एससी में नियुक्ति के खिलाफ याचिका खारिज

चेन्नई/दिल्ली। वकील लक्ष्मण चंद्र विक्टोरिया गौरी ने मंगलवार को मद्रास हाई कोर्ट की अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में शपथ ले ली है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने गौरी को मद्रास हाई कोर्ट की न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने से रोकने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। मद्रास हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश टी राजा ने राष्ट्रपति द्वारा जारी नियुक्ति आदेश पढ़ने सहित अन्य परंपराओं के बाद गौरी को अतिरिक्त न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। गौरी के अलावा चार अन्य लोगों ने भी मद्रास उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने न्यायाधीश के रूप में गौरी की नियुक्ति को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति संजय खन्ना और न्यायमूर्ति बी आर गवई की विशेष पीठ ने कहा, "हम रिट याचिका पर विचार नहीं कर रहे हैं। वजहें बताई जाएंगी।" उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को गौरी की मद्रास उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के तौर पर नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सात फरवरी को सुनवाई करने का फैसला किया था। शीर्ष अदालत के फैसले के ठीक पहले केंद्र ने न्यायाधीश के

रूप में गौरी की नियुक्ति को अधिसूचित किया था। याचिकाकर्ता वकीलों–अन्ना मैथ्यू, सुधा रामलिंगम और डी नागसैला ने अपनी याचिका में गौरी द्वारा मुसलमानों और ईसाइयों के खिलाफ की गई कथित घृणास्पद टिप्पणियों का उल्लेख किया था। याचिका में कहा गया था, "याचिकाकर्ता न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए 'गंभीर खतरे' को देखते हुए चौथे प्रतिवादी (गौरी) को उच्च न्यायालय की न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने से रोकने के वास्ते उचित अंतरिम आदेश जारी करने की मांग कर रहे हैं। बता दें कि केंद्र सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट में एडिशनल जज के तौर पर एल विक्टोरिया गौरी की नियुक्ति को अधिसूचित किया था। इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती मिली थी, जिसपर सुनवाई करने से न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बी आर गवई की विशेष पीठ ने इनकार कर दिया। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को गौरी की मद्रास उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के तौर पर नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सात फरवरी को सुनवाई करने का फैसला किया था। शीर्ष अदालत के फैसले के ठीक पहले केंद्र ने गौरी की न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति को अधिसूचित किया था। इससे पहले, शीर्ष अदालत गौरी की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर 10 फरवरी को सुनवाई करने पर सहमत हुई थी। हालांकि, बाद में मामले का फिर से उल्लेख किए जाने पर प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पीठ ने मंगलवार को इस पर सुनवाई करने का फैसला किया था।

भाकपा , कांग्रेस के बीच चुनावी समझौते से भाजपा डरी हुई है: माणिक सरकार

अगरतला। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

(मार्क्सवादी) के नेता माणिक सरकार ने दावा किया कि त्रिपुरा में "फासीवादी शासक" को बाहर करने के लिए राज्य में वामपंथी दल और कांग्रेस के बीच गठबंधन के लिए "नैतिक आधार" है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पिछले पांच वर्षों में उसके शासन के दौरान इस पूर्वोत्तर राज्य में "लोकतंत्र का गला घोंटने" का आरोप भी लगाया। धलाई जिले के सूरमा निर्वाचन क्षेत्र में सोमवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "भाजपा सोच रही होगी कि उसके दोनों प्रतिद्वंद्वियों ने कैसे हाथ मिला लिया। वे चुनावी तालमेल की नैतिकता पर भी सवाल उठा रहे हैं लेकिन हकीकत यह है कि जनता फासीवादी शासक को सत्ता से बेदखल करना चाहती है।" सरकार ने दावा किया कि पूर्वोत्तर राज्य में वाम–कांग्रेस का गठबंधन "लोकतंत्र को बहाल करने की लोगों की आकांक्षा पर आधारित" है। उन्होंने कहा, " माकपा और कांग्रेस दोनों लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता को बहाल करने और लोगों की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए एक–दूसरे की मदद कर रहे हैं। दोनों दलों के बीच नैतिक आधार पर चुनावी समझौता हुआ है। 'देश बचाने के लिए भाजपा को हटाओ' के राष्ट्रव्यापी नारे को त्रिपुरा से गति मिलेगी।" उन्होंने कहा, "आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार अपरिहार्य है।" त्रिपुरा की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए 16 फरवरी को मतदान होगा और मतगणना दो मार्च को होगी। त्रिपुरा में कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

10 लाख रुपये की हेरोइन बरामद, चार गिरफ्तार

आइजोल। मिजोरम की राजधानी आइजोल में दो अलग–अलग

अभियानों में 10 लाख रुपये की हेरोइन बरामद करने के बाद इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आबकारी विभाग के अधिकारियों के एक दल ने रविवार को बावंगकान इलाके में तीन लोगों के पास से 503 ग्राम हेरोइन बरामद की जिसकी कीमत 9.75 लाख रुपये से अधिक बताई जाती है। उन्होंने बताया कि एक अन्य अभियान में विभाग के कर्मियों ने यंग मिजो एसोसिएशन के स्वयंसेवकों के साथ मिलकर आइजोल के फॉकलैंड इलाके में 11 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद कर, एक तस्कर को गिरफ्तार किया।

अंतरराष्ट्रीय सट्टा गिरोह का भंडाफोड़, 16 गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पुलिस ने एक कथित अंतरराष्ट्रीय सट्टा गिरोह का भंडाफोड़ कर 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, गिरोह का सरगना सहित नौ आरोपी अब भी फरार हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने दावा किया कि गिरोह ने गत दो महीने में करीब 400 करोड़ रुपये की लेनदेन की है और इनका संबंध माफिया गिरोह से भी होने की आशंका है। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) हरीश चंदर ने बताया कि नोएडा सेक्टर–39 की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नोएडा सेक्टर 108 में

चल रहे अंतरराष्ट्रीय सट्टा गिरोह का भंडाफोड़ कर 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरोह का सरगना सौरव मूल रूप से छत्तीसगढ़ का है और दुबई में रहकर गिरोह का संचालन कर रहा था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि गिरोह से जुड़े नौ आरोपी फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से भारी मात्रा में विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन और सिम कार्ड,12 लैपटॉप, एटीएम कार्ड, पासपोर्ट, फर्जी दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि बरामद किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों के विभिन्न बैंक खातों में करीब डेढ़ करोड़ रुपये जमा हैं जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान खुलासा हुआ कि गिरोह ने दो महीने में करीब 400 करोड़ रुपयेका सट्टा लगवाया और राशि विभिन्न बैंक खातों, ई–वालेट तथा फर्जी तरीके से बनाई गई कंपनियों के खातों में डलवाए गए। उन्होंने बताया कि इन लोगों को दुबई से बैंक खाता आदि उपलब्ध कराए जाते थे। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को आशंका है कि गिरोह का संचालन डी– कंपनी (दाऊद इब्राहिम के गिरोह) के लोगों द्वारा किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि इस मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अधिकरण (एनआईए) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)को भी पत्र लिखा जाएगा ताकि वे इसकी अपने स्तर से जांच कर सके।

बदल जाएगी शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक की दुनिया, केवाईसी प्रोसेस का होगा और सरलीकरण

नई दिल्ली। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, श्रमिकों की सुरक्षा, एचडी गेमिंग से लेकर मनोरंजन की दुनिया अगले दो साल में बदलने जा रही है। आगामी वित्त वर्ष 2023–24 के बजट में 5जी के विस्तार और 5जी से जुड़े एप्लीकेशन के विकास के लिए दिए जाने प्रोत्साहन से यह संभव होने जा रहा है। आगामी वित्त वर्ष 2023–24 के लिए पेश बजट में 5जी एप्लीकेशन विकसित करने के लिए इंजीनियरिंग संस्थानों में 100 लैब स्थापित किए जाएंगे। वहीं, 5जी टेस्ट बेड के लिए 5.56 करोड़ रुपए का बजट में अलग से प्रविधान किया गया है। वित्त वर्ष 2023–24 में टेलीकॉम सेक्टर से जुड़े सभी प्रकार के अनुसंधान व विकास के लिए 550 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक हर लैब अलग–अलग सेक्टर के लिए काम करेगा। कुछ लैब 5जी के इस्तेमाल से स्मार्ट क्लासरूम की सेवा विकसित करेंगे तो कुछ ट्रांसपोर्ट सिस्टम, स्मार्ट कृषि, श्रमिकों की सुरक्षा, गांवों में बैठकर मरीजों का आपरेशन जैसी सेवाएं विकसित करने का काम करेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट घोषणा में यह भी कहा कि मेक इन इंडिया एआई (आर्टिफिशियल इंटलिजेंस) और मेक फॉर इंडिया एआई विकसित किए जाएंगे और शैक्षणिक संस्थानों में तीन सेंटर फॉर एक्सलेंस की स्थापना भी की जाएगी।

बुलडोजर कार्रवाई पर भड़कीं महबूबा

कहा: बीजेपी ने जम्मू–कश्मीर को अफगानिस्तान बना दिया

जम्मू। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता महबूबा मुफ्ती ने कहा कि भाजपा ने चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत गरीबों के घरों को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल कर जम्मू–कश्मीर को अफगानिस्तान में बदल दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, जम्मू–कश्मीर के पूर्व सीएम ने कहा कि बुलडोजरों की वजह से आज कश्मीर आपको अफगानिस्तान जैसा दिखेगा। मुफ्ती ने यह भी कहा कि भाजपा के शासन में जम्मू–कश्मीर की आर्थिक स्थिति खराब हुई है। उन्होंने कहा, श्जम्मू–कश्मीर ही एक ऐसा राज्य

या केंद्र शासित प्रदेश था, जहां लोग सड़क पर नहीं सोते थे, जहां लोग मुफ्त राशन के लिए लाइन में खड़े नहीं होते थे. जब से बीजेपी आई है, गरीबी रेखा से ऊपर रहने वाले लोग भी आए हैं.श इसके नीचे वे जम्मू–कश्मीर को फिलिस्तीन और अफगानिस्तान जैसा बनाना चाहते हैं। महबूबा मुफ्ती ने पहाड़ी क्षेत्र की तुलना फिलिस्तीन और अफगानिस्तान से करते हुए कहा, "फिलिस्तीन अभी भी बेहतर है। कम से कम लोग बात करते हैं। जिस तरह से लोगों के घरों को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया जा रहा है, उससे कश्मीर अफगानिस्तान से भी बदतर होता जा रहा है। पीडीपी नेता ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा दावा कर सकते हैं कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान गरीबों के घरों को नहीं छुआ जाएगा, लेकिन उनके संदेश को धरातल पर नहीं सुना जा रहा है क्योंकि टिन शेड वाले घरों को भी तोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने क्रूर बहुमत का इस्तेमाल सब कुछ हथियार बनाने और संविधान को खुलडोज करने के लिए कर रही है।

अदानी समूह को लेकर कांग्रेस ने एलआईसी कार्यालय पर किया प्रदर्शन

अयोध्या। कांग्रेस पार्टी ने अदानी समूह को लेकर एलआईसी कार्यालय के सामने जिला स्तरीय विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस जन बेनीगंज चौराहे से सरकार विरोधी नारे लगाते हुए एलआईसी कार्यालय तक पहुंचे। एलआईसी कार्यालय के अंदर घुसने का प्रयास कर रहे कांग्रेसियों और पुलिस में नोकझोंक हुई। इससे पूर्व बेनीगंज चौराहे पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा आम भारतीय की कीमत पर अपने करीबी दोस्तों और चुनिंदा अरबपतियों को फायदा पहुंचाने की मोदी सरकार की नीतियों से पूरा देश खासकर मध्यमवर्ग परेशान है मोदी सरकार द्वारा अडाणी समूह में एलआईसी और एसबीआई जैसे सरकारी संस्थानों के बेहद जोखिम भरे लेनदेन और निवेश ने भारत के निवेशकों तथा एलआईसी के 29 करोड़ पॉलिसी धारकों और स्टेट बैंक के 45 करोड़ खाताधारकों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। श्री यादव ने कहा हम भारत सरकार से मांग करते हैं हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अदानी पर जो आरोप लगाए गए हैं उस की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जनता के पैसे को नुकसान ना होने पाए ऐसी व्यवस्था की जाए।

महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने कहा आज सरकार की गलत नीतियों से आम आदमी की गाढ़ी कमाई का पैसा डूबने की कगार पर आ गया है। एआईसीसी सदस्य राजेंद्र प्रताप सिंह तथा पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा ने कहा एलआईसी और एसबीआई जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हमारे देश का गौरव है और करोड़ों भारतीयों की गाड़ी कमाई से बने हैं। अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद करने के इरादे से मोदी सरकार ने जबरदस्ती एलआईसी ,एसबीआई और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को अदानी समूह में निवेश किया है और पिछले कुछ दिनों में एलआईसी के 39 करोड़पति धारकों और निवेशकों को 33060 करोड़ का नुकसान हुआ है। प्रदेश प्रवक्ता गौरव तिवारी वीरू तथा जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कांग्रेस पार्टी कभी किसी खास भारतीय कारपोरेट घराने के खिलाफ नहीं रही है, हम घोर पूंजीवाद के खिलाफ हैं। कांग्रेस पार्टी चुनिंदा अरबपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए जो नियम बदले जा रहे हैं उस विचार के खिलाफ हैं ।कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीब और आम आदमियों के साथ खड़ी रहती है और खड़ी रहेगी। एआईसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा तथा नगर निकाय चुनाव के संयोजक शैलेंद्र मणि पांडे ने कहाप्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने पूँजीपति मित्रों को "सरकारी खजाने में लूट की छुट" देते हुए देश खघमोशी से बैठ कर नहीं देख सकता। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अनिल सिंह ,अनिल तिवारी ,संजय तिवारी ,संदीप यादव रिशु ,उमेश उपाध्याय ,श्रीनिवास शास्त्री ,विजय पांडे ,भीम शुक्ला, रेनू राय ,कंचन दुबे ,प्रमिला राजपूत ,फ्लावर नकवी, राम अवध, आशीष यादव ,फिरोज अंसारी, राम सागर रावत, अब्दुल हकीम, अमरीश पांडे मोहम्मद नौशाद, नंद कुमार सोनकर, मोहम्मद अहमद टीटू ,सिराज ,धीरेंद्र नाथ वर्मा ,अशोक कुमार राय ,धर्मेंद्र सिंह फास्टर ,अजीत वर्मा, रामानंद शर्मा ,मनीष सिंह, संजय श्रीवास्तव ,शैलेंद्र विक्रम सिंह, जमील अहमद ,बलवीर सिंह ,अमर बहादुर, दिनेश चौधरी, जितेंद्र पांडे, बलवंत रावत, राजकुमार सिंह ,रोहित यादव, दयावती ,सुल्तान अजहर शीतला बक्श सिंह राजकुमार सिंह आशुतोष सिंह आजाद रावत आदि मौजूद थे।

चिंता घबराहट है मनोरोग की आहटः डॉ. आलोक

-टाइनी टॉट्स ग्रुप ऑफ स्कूल में मेंटल हेल्थ पर वर्कशॉप संपन्न

अयोध्या। बढ़ता मनोतनाव तेजी से बढ़ रहे मनोशारीरिक बीमारियों या साइकोसोमैटिक डिसऑर्डर का कारण बनता जा रहा है। स्ट्रेस या मनोदबाव का सकारात्मक प्रबन्धन न कर पाने पर स्ट्रेस नकारात्मक रूप ले लेता है जिसे डिस्ट्रेस या अवसाद कहा जाता है। जिससे उलझन, बेचौनी, घबराहट, अनिद्रा आदि के साथ शारीरिक दुष्प्रभाव भी दिखाई पड़ते हैं जिसे साइकोसोमैटिक डिसऑर्डर कहते हैं । मनोशारीरिक बीमारियों के लक्षण तो शारीरिक होते हैं, पर उसका मूल कारण मेन्टल स्ट्रेस या मनोतनाव होता है । पाचन क्रिया से लेकर हृदय की धड़कन तक शरीर की हर एक कार्यप्रणाली इससे दुष्प्रभावित होती है, मनोवैज्ञानिक उपचार के बिना इनका स्थायी इलाज नहीं हो सकता । मेन्टल स्ट्रेस से कार्टिसाल व एड्रेनिल हॉर्मोन बढ़ जाता है, जिससे चिंता, घबराहट, एडिक्टिव इटिंग,आलस्य, मोटापा, अनिद्रा व नशे की स्थिति भी पैदा हो सकती है । यह बातें टाइनी टॉट्स ग्रुप ऑफ स्कूल की सहादतगंज शाखा में "स्ट्रेस मैनेजमेंट व इमोशनल हेल्थ तथा बिहेवियर मैनेजमेंट एवं लाइफ स्किल विषयक कार्यशाला में मौजूद मुख्य अतिथि जिला चिकित्सालय के मनोपरामर्शदाता डा० आलोक मनदर्शन द्वारा कही गयी । मन स्वस्थ तो तन स्वस्थ। मन के प्रत्येक भाव पीड़ा, तनाव, सुख, आनन्द, भय, क्रोध, चिंता, द्वन्द व कुंठा आदि का सीधा प्रभाव शरीर पर पड़ता है । चिंता व घबराहट यदि एक हफ्ते से ज्यादा महसूस होने पर मनोपरामर्श अवश्य लें । स्वस्थ, मनोरंजक व रचनात्मक गतिविधियों तथा फल व सब्जियों का सेवन को बढ़ावा देते हुए योग व व्यायाम को दिनचर्या में शामिल कर आठ घन्टे की गहरी नींद अवश्य लें । इस जीवन शैली से मस्तिष्क में हैप्पी हार्मोन सेरोटोनिन, डोपामिन व एंडोर्फिन का संचार होगा जिससे दिमाग व शरीर दोनों स्वस्थ रहेंगे । यह जीवन चर्या हैप्पीट्यूड कहलाती है जिससे मनोशारीरिक तथा भावनात्मक रोगों से बचाव सम्भव है । इस कार्यशाला में कक्षा 6 से 8 के छात्र छात्राओं के लिए बिहेवियर मैनेजमेंट एवं लाइफ स्किल तथा कक्षा 9 से 12 तक के छात्र–छात्राओं के लिए स्ट्रेस मैनेजमेंट एवं इमोशनल हेल्थ के विषय पर प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों के संशय व सवालों का समाधान भी किया गया जिसमें स्कूल की निर्देशिका श्रीमती बिन्नी सिंह जी, प्रधानाचार्य श्री आशुतोष रस्तोगी जी समस्त छात्र–छात्राएं एवं शिक्षक–शिक्षिकाएं उपस्थित धे। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारा मुख्य अतिथि को अपना अमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद दिया गया।

प्रदेश का लक्ष्य एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्थाःप्रो. निशी पाण्डेय

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में . दोपहर 12 बजे यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 को लेकर छात्रों की बीच संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ की प्रो0 निशी पाण्डेय ने कहा कि जी–20 व ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट वैश्विक स्तर पर आर्थिक सहयोग के एक संगठन के रूप में 1999 में गठित हुआ। जिसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर व्याप्त मंदी से बाहर निकलने के लिए योजना तैयार करना था। वर्ष 2008 में यह संगठन ग्लोबल लीडर्स फोरम के रूप में सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा वैश्विक स्तर पर व्यापार, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रोजगार और औद्योगिक विकास की रणनीतियों को तैयार करने का एक मंच बना। यह विश्व के 20 देशों का एक साक्षा मंच है। इस बार जी–20 की अध्यक्षता भारत कर रहा है। प्रो0 निशी पाण्डेय ने कहा कि भारत की प्रगति के लिए कृषि क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, उद्योग क्षेत्र को बढ़ावा देने से ही हम विकसित राष्ट्र का मार्ग तय करने में सक्षम हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज वर्तमान स्वरूप में भारतीय अर्थव्यवस्था में कुल जीडीपी में 30 प्रतिशत का योगदान कृषि क्षेत्र का है। शेष 70 प्रतिशत का योगदान सेवा एवं उद्योग का क्षेत्र है। जबकि भारतीय कृषि में 60 प्रतिशत लोग इस क्षेत्र में कार्य कर रहे है। इस स्वरूप को बेहतर करने के लिए व्यापक स्तर पर वैज्ञानिक तकनीकों एवं कौशल विकास के क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाना होगा। उन्होंने बताया कि इस समिट में निजी निवेश की संभावना अधिक है। इससे युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनने जा रहा है। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स के इस मेगा आयोजन से प्रदेश का आर्थिक ढॉचा मजबूत होगा। औद्योगिक निवेश से प्रदेश में रोजगार के साथ–साथ कृषि, सेवा क्षेत्र एवं उत्पादन में गति मिलेगी। प्रदेश सरकार द्वारा विकास की गति को तीव्र करने एवं एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी। कुलपति ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। हर क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं है। युवाओं को अपने कौशल को विकसित करना होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त विशाल सिंह ने कहा कि ग्लोबल समिट का उद्देश्य 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का देश के सभी युवाओं को जोड़ने का अनूठा प्रयास भी है। प्रदेश की प्रगति में एक जनपद एक उत्पाद योजना देशभर में लागू की जा रही है। इसके उत्साहजनक परिणाम मिल रहे है। उन्होंने कहा कि अयोध्या मंदिर निर्माण के साथ अयोध्या 2047 का लक्ष्य तय कर लिया गया है। अयोध्या को सक्षम अयोध्या, सुरम्य अयोध्या और सुगम अयोध्या बनाना है। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने में बल मिलेगा। कार्यक्रम शुरूआत अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके उपरांत कुलगीत की प्रस्तुति की गई। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम एवं रामचरित मानस भेट की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का रिकार्डेड संदेश का प्रस्तुतिकरण किया गया। इसके उपरांत ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का वीडियो प्रसारित किया गया। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर शाम्भवी एम0 शुक्ला व अंकित मिश्र द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव उमानाथ ने किया। इस अवसर पर वित्त अधिकारी पूर्णेदु शुक्ला, यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र मिश्र, प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. फारूख जमाल, प्रो. अशोक राय, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. शैलेन्द्र वर्मा, प्रो. शैलेन्द्र कुमार, प्रो. रमापति मिश्र, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ. अनुराग पाण्डेय, डॉ. आरएन पाण्डेय, डॉ. वन्दिता पाण्डेय, डॉ. अनिल कुमार विश्वा, डॉ. उमेश वर्मा, डॉ. प्रत्याशा मिश्रा, डॉ. सुमनलाल, डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, डॉ. मनीषा यादव, इजीनियर अनुराग सिंह, डॉ. महेन्द्र पाल सिंह, डॉ. अंशुमान पाठक सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

परियोजना अधिकारी डूडा के भ्रष्टाचार की प्रभारी मंत्री से उच्च स्तरीय जांच की मांग

डूडा परियोजना अधिकारी का भ्रष्टाचार उजागर अपने सहेली के खाते में मगांती हैं घूस की रकम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। तुलसीपुर पूरी जांच पड़ताल के बाद ही स्वीकृत होते हैं शहरी उसके बावजूद शहरी आवास योजना में सुविधा शुल्क न मिलने पर आवास की किस्त रोकने एंव निरस्त करने की जिलाधिकारी से शिकायत की गई है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डीपी सिंह 'बैस' ने जन सम्पर्क के दौरान नगरवासियों द्वारा शिकायत मिलने पर जिलाधिकारी को पत्र लिखकर अवगत कराया था कि शहरी आवास योजना में डूडा विभाग के सर्वेयर द्वारा 10 फीसदी सुविधा शुल्क की मांग की जा रही है सुविधा शुल्क न देने पर फर्जी रिपोर्ट लगाकर दूसरी,तीसरी किस्त को रूकवा दिया जाता है और निरस्त भी कर के परेशान किया जाता है भाजपा मीडिया प्रभारी ने बताया कि लोगों द्वारा अवगत कराया गया है एवं प्रमाण भी दिए गए हैं कि परियोजना अधिकारी सर्वेयर के माध्यम से वसूली कर अपने सहेली के खाते में पैसा मंगाती हैं और फिर कंफर्म करती हैं अपने व्हाट्सएप पर मंगाकर तभी उन लोगों के पत्रावली स्वीकृत कराए जाते हैं परियोजना अधिकारी अधिकांश बाहर रहती हैं डूडा के कर्मचारी सूरज शर्मा के द्वारा परियोजना अधिकारी के हस्ताक्षर भी बनाते रहते हैं हस्ताक्षर बना लेने पर परियोजना अधिकारी द्वारा सूरज शर्मा को शाबाशी भी दी जाती है। जिला मीडिया प्रभारी डीपी सिंह बैस ने साक्ष्य देते हुए जिलाधिकारी से इस संदर्भ में संज्ञान लेकर प्रकरण की तथा परियोजना अधिकारी की अथाह संपत्ति जांच कराने की मांग की है तथा कठोर कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया है पूर्व में भी इसी प्रकार छःसात लोगों पर एफ आई आर करा दिया गया था। जांच में दोषी पाये जाने पर परिजोजना अधिकारी बर्खास्त किये गये थे। सरकार द्वारा गरीबों को खुले आसमान में न रहना पड़े इसके लिए निःशुल्क आवास दिया जाता है जबकि विभाग द्वारा गरीबों को परेशान किया जाता है। जनपद दौरे पर आये प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल से इस संबध में जांच करवाये जाने और दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की गई है।

आरटीई पोर्टल पर होगें 28 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन

कानपुर नगर,(आरएनएस) निःशुल्क शिक्षा के अधिकारी(आरटीई) के अतंगर्त निजी विधालयों में प्री प्राइमरी तथा कक्षा एक में प्रेश की प्रक्रिया का शेड्यूल जारी होने के बाद अब ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गये है। जिन अभिभावकों को अपने बच्चों का प्रवेश कराना है वह 28 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है ।निजी विधालयों में आरटीई के तहत ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इसके माध्यम से प्रवेश के लिए 28 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन लिये जायेगे। बताया जाता है कि यह प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी, इस प्रवेश प्रक्रिया में किसी प्रकार का कोई विवाद न हो इसके लिए बीएसए द्वारा नोडल टीम बनाई गयी है। 28 फरवरी तक आवेदना स्वीकार करने के उपरान्त 1 मार्च से 12 मार्च को लाटरी निकाली जायेगी, जिसके बाद जो भी आवेदक पात्र पाया जायेगा उसे चार अप्रैल तक प्रवेश की समस्त प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी वहीं दूसरे चरण में भी 14 मार्च से 6 अप्रैल तक के मध्य में ऑनलाइन आवेदन स्वीकारे जायेगे और 17 अप्रैल तक अवेदनों का सत्यापन तथा 19 अप्रैल को लाटरी निकाली जायेगी तथा 28 अप्रैल तक प्रवेश दिया जायेगा, इसके साथ ही तृतीय चरण में इसी प्रकार 20 अप्रैल से 12 अप्रैल तक आवेदन वउसके बाद 23 जून तक सत्यापन के उपरान्त पात्रों को 5 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न करानी होगी।

76 वर्षीय राम गोपाल को सीनरियर नेशनल ताइक्वांडो पूमसे चौंपियनिशप के लिए चुना गया

कानपुर नगर। अंतर्राष्ट्रीय मेडलिस्ट फिर एक बार कानपुर नगर का नाम रोशन करने के लिए तैयार हे। उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा लखनऊ में चयन ट्रायल के बाद 76 वर्षीय राम गोपाल बाजेयी पुरूष ओव–65 वर्ग में राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम, पुडुचेरी में 11वीं सीनियर नेशनल ताइक्वांडो पूमसे चेंपियनशिप में भाग लेने के चुना गया है। सीनियर राम गोपाल राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए दिनांक 8 फरवरी 2023 को 12 बजे आगरा कैंट रेलवे स्टेशन ट्रेन ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस से पांडिचेरी के लिए प्रस्थान करेंगे। इस हर्ष के अवसर पर कानपुर ताइक्वांडो एसोसिएशन की ओर से दीपक चौरसिया, दिनेश दीक्षित, प्रदीप सिंह चौहान, आलेक गुप्ता, सत्येन्द्र सिंह यादव, प्रयाग सिंह ने राम गांपाल बाजपेयी को मेडल जीतने पर शुभकांमनाये दी।

इरफान सोलंकी और उनके 4 गैंगस्टर साथियों की 27 प्रॉपर्टी होंगी जब्त

कानपुर(आरएनएस)। सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके 4 गैंगस्टर साथियों की 27 प्रॉपर्टी जब्त होंगी। मंगलवार तक कानपुर पुलिस कमिश्नरेट एक्शन में होगा। पहले फेज में करीब 27 प्रॉपर्टी की लिस्ट तैयार हुई है। टीमें भी बना दी गईं हैं, इंस्पेक्टर फीलखाना सबसे पहले कार्रवाई करेंगे। इरफान सोलंकी की ग्वालटोली, चमनगंज, कोतवाली, जाजमऊ और चकेरी थाना क्षेत्रों में संपत्तियां हैं। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर ने बताया कि सपा विधायक इरफान के भाई रिजवान की भी करोड़ों की बेनामी संपत्ति है। उसके पास भी कानपुर से लेकर उन्नाव तक संपत्तियां हैं। जिन्हें लिस्टेड किया जा रहा है। रिजवान उन्नाव का भू माफिया भी है। इसके साथ ही गैंग में शामिल सपा नेत्री के पिता शौकत पहलवान ने भी अवैध तरीके से करोड़ों की संपत्ति अर्जित की है। हिस्ट्रीशीटर इसराइल आटे वाला, मोहम्मद शरीफ की भी करोड़ों की संपत्ति जब्त होनी हैं।

डीएम ने समीक्षा बैठक के दौरान अधूरे कामों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए

फिरोजाबाद(आरएनएस)–जिलाधिकारी रवि रंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मुख्यमंत्री की विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों व निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाई, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, विद्युत चिकित्सा पेयजल योजना वन संबंधित ,जिला पंचायत, खादी ग्रामोद्योग, पशु चिकित्सा, स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, जल निगम व सेतु निगम आदि विभागों द्वारा जनपद में संचालित कार्यों की एक–एक कर गहनता से समीक्षा की। उन्होने सभी संबंधितों अधिकारियों को निर्देश दियें कि उनके क्षेत्रांतर्गत कराये जा रहे कार्यों का निरीक्षण करें एवं गुणवत्ता अवश्य देखें, जिन मामलों में अंर्तविभागीय समन्वय की आवश्यकता हो, उन्हे तत्काल उनके संज्ञान में लाया जायें। बैठक के दौरान उन्होने सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से कार्य के दौरान आ रही समस्याओं की भी जानकारी प्राप्त की तथा मौके पर ही मौजूद अधिकारियों को निर्देशित करते हुये निराकरण भी कराया।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जल निगम द्वारा संचालित रेट्रो फिटिंग पेयजल योजना की समीक्षा के दौरान पाया कि उनको शिकायत मिल रही है कि पाइप लिकेज हो रहें है, कहीं मजरों में पानी नही पहुंच रहा है, पाइप लाइने टूट रहीं है, सम्बन्धित सहायक अभियंता योजना में रूचि नहीं ले रहें है, जिसको जिलाधिकारी ने गम्भीरता से लेते हुए एक्सईएन जल निगम को चेतावनी देते हुए कहा कि जहां–जहां कमियां निकल कर सामने आईं है उन्हे जल्द सही करा लें, अन्यथा उनके विरूद्ध शासन को पत्राचार किया जाएगा। गढढामुक्त कार्यक्रम में पीडल्ब्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह जांच में लगाए गए नोडल अधिकारियां द्वारा बताई गयी कमियों को जल्द ठीक कराना सुनिश्चित करें। जनपद में छूटटा घूम रहे गौवंश पकडने के लिए सभी विकास खण्डों में कैटल्स कैप्चर खरीदने के लिए दिए गए निर्देशां की समीक्षा के दौरान जिन विकास खण्डों पर अभी तक कैटल्स कैप्चर नही खरीदी गयी है वह जल्दी से खरीद लें और उनका प्रयोग करते हुए अपने क्षेत्रांतर्गत छूटटा घूम रहे गौवंशों को गौशाला में भिजवाएं। उन्होने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह निरन्तर गौशाला का भ्रमण करते रहे और वहां की समस्याओं को निस्तारित कराए सम्बन्धित पंचायत सचिव को इसके लिए जिम्मेदार भी बनाऐ।

समीक्षा बैठक के दौरान जनपद में चल रहें निर्माण कार्यों में गति लाने के लिए सभी कार्यदायीं संस्थाओं को कडेध निर्देश दिए उन्होने कहा कि चल रहें निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण कराएं, इसके लिए नामित नोडल अधिकारियों को भी निर्देश दिए की वह मौके पर पहुंचकर कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा करते रहें। जेड़ाझाल परियोजना के द्वारा शहर को हो रही पेयजल आपूर्ति अनवरत चालू रखने के लिए नगर निगम के जलकल व सिंचाई विभाग आपसी समन्वय मजबूत बनाए रखने के साथ पेयजल आपूर्ति पर पूरा ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होने नहर से आ रहे पानी के बहाब को तेज करने व झील में पानी को बढाने के लिए नहर की सफाई होते रहने के निर्देश एक्सईएन नहर सिंचाई को दिए। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, डीएफओ विनय नाईक, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, बेसिक शिक्षाधिकारी सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी मौजूद रहें।

छात्रों का एक दिवसीय कैरियर कार्यशाला आयोजित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

तुलसियापुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की इकाई नेहरू युवा केंद्र सिद्धार्थनगर के तत्वाधान में एक दिवसीय कैरियर कार्यशाला आयोजित हुआ। जिला युवा अधिकारी श्री अनुराग यादव के निर्देशानुसार बढ़नी के स्वतंत्रता सेनानी उदयराज शुक्ल बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढेबरूआ मे कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला आयोजित किया गया। आयोजन प्रभारी एनवाईवी रुपेश मिश्र के कुशल नेतृत्व में किया गया। मुख्य अतिथि प्रधानचार्य संध्या श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि विजयशंकर यादव समग्र बाल विकास मित्र प्लान इंडिया एवं सुनील केसी अध्यक्ष (विश्व सेवा संघ संस्थान) मौजूद रहें। कार्यक्रम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला कार्यक्रम के संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत किया गया। अतिथियों द्वारा विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन और सुझाव दिया गया। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध करियर के अवसरों के बारे में बताया गया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र के दौरान क्लीन इण्डिया कार्यक्रम स्वच्छता एवं श्रमदान विषयों पर जानकारी दिया गया। कार्यशाला में विभिन्न ग्राम पंचायत के युवा मंडल के सदस्यों ने प्रतिभाग किया। इस क्रम में सहायक अध्यापक मनीश यादव, राम–लखन युवा मंडल अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सहित युवाओं में प्रेमजीत, आशीष, अभिषेक, राम तीरथ, विशाल, कमलेश, विनय, एवं महिला मंडल से पुष्पा, सुधा, सुमन आदि छात्रों ने प्रतिभाग किया।

दुकान में लूटपाट करने वाले अपराधियों के बजाएं दुकानदार पर ही मुकदमा दर्ज

नगर क्षेत्रों में अपराधियों के हौसले बुलंद घर में घुसकर तोड़े गए दरवाजे

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। एक तरफ उत्तर प्रदेश की योगी सरकार विभिन्न अपराधों को जीरो टारलेन्स पर लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है तो वही अपराधियों के बढ़ते हौसले सरकार के मंसूबों को तार–तार कर रहे हैं जनपद मुख्यालय के अति विशिष्ट क्षेत्रों से हो रही चोरियां नगर के मुख्य मार्गों पर चाहे वो हरिहरगंज का क्षेत्र हो या तुलसीपुर रोड पर चल रहे ढाबों व उसके आसपास जिस तरीके से नशे का व्यापार चल रहा है वो किसी से छिपा नहीं है इन सबके बीच यही नशेड़ी नौजवान

नगर क्षेत्रों में तरह–तरह के अपराधों को अंजाम देते हैं इनके खिलाफ जब कोई शिकायतकर्ता है तो पुलिस उसके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार करती है ऐसे में अपराधियों के हौसले बुलंद रहते हैं नगर के भीड़भाड़ वाले इलाकों चौराहों पर खुले दारु शराब की दुकानों से सरेआम दारू पीकर आए दिन लड़ाई झगड़े करना आम बात है बताते चलें कि विगत दिनों एक पत्रकार के आवास दुकान पर कुछ नशेड़ियों ने नशे में आकर दुकान पर बैठे लोगों को मामूली बात पर गालियां देने लगे बीच बचाओ के बाद 2 घंटे बाद पुनः अपने कई साथियों के साथ घर आकर दरवाजा तोड़कर घर में घुस गए घटना की शिकायत के एक हफ्ते बाद भी ना तो संबंधित मामले में मुकदमा दर्ज हुआ ना ही गिरफ्तारी हुई बल्कि नशेड़ीयो के प्रार्थना पत्र पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी ऐसे में पुलिस के कार्य प्रणाली पर सवाल तो उठेंगे ही।

एनएमएमएस के नाम पर फर्जी हाजिरी व फोटो अपलोडिंग जोरों पर, अधिकारी मौन

पंकज चौबे/
दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिले में अब मनरेगा मजदूरों की हाजिरी की निगहबानी नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर (एनएमएमएस) एप से की जा रही है। इसके लिए ग्रामीण विकास विभाग ने नेशनल मोबाइल मॉनीटरिंग सॉफ्टवेयर एप लांच किया है। इसे मनरेगा योजना के मेट अपने मोबाइल में डाउनलोड कर नरेगा के साइड पर फोटो अपलोड करेंगे। वे इस एप के माध्यम से ही मनरेगा मजदूरों की हाजिरी लगाएंगे। इस एप के माध्यम से मजदूरों की हाजिरी बनाने को लेकर रोजगार सेवकों प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षित रोजगार सेवक अपने पंचायत के मेट को एनएमएमएस एप के माध्यम से मजदूरों की हाजिरी बनाने के तरीके बताएंगे। इसके लिए जिले के सभी मेट को पहले एनएमएमएस एप पर रजिस्टर्ड करना होगा। रजिस्टर्ड होने के बाद ही वे एप के माध्यम से यम से रजिस्टर्ड मोबाइल के माध्

मजदूरों की हाजिरी लगा पाएंगे। यम से ही की जा सकेगी। मनरेगा मजदूरों की हाजिरी मोबाइल एप से लगने से काम में भी पारदर्शिता आएगी। इसके अलावा फर्जी हाजिरी पर अंकुश लगेगा। मनरेगा योजनाओं का क्रियान्वयन मशीन से न कराकर मजदूरों से ही करानी होगी। इससे मजदूरों को काम मिलेगा और क्षेत्र से पलायन रुकेगा। लेकिन इस समय में फोटो अपलोडिंग व हाजिरी में एनएमएमएस पर फोटो अपलोडिंग के नाम पर किया जा रहा है फर्जी फिकेशन बढ़नी व शोहरतगढ़ में ऑनलाइन हाजिरी व फोटो अपलोड के नाम पर गड़बड़झाला किया जा रहा है,कई ग्राम पंचायतों में फर्जी फोटो व हाजिरी में अभी भी कोई रोक नहीं लग पा रहा है। कई ग्राम पंचायत कई व्यक्ति ऐसे भी है जो घर में रहकर कार्य करती है,वही जो फोटो अपलोड किया जा रहा है वह भी कई महीने पहले का है। वही इस संबंध में बढ़नी बीडीओ संजय कुमार से बात करने पर उन्होंने बताया की वे ट्रेनिंग में है, शोहरतगढ़ बीडीओ संगीता यादव ने बताया उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

शिवनगर थाने पर सैनिक सम्मेलन का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। अमित कुमार आनंद, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के आदेश तथा सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण के क्रम में देवी गुलाम, क्षेत्राधिकारी बांसी के निर्देशन में राजेश कुमार शुक्ला थानाध्यक्ष शिवनगर डीडई जनपद सिद्धार्थ नगर के कुशल नेतृत्व में थाना शिवनगर डिडई पर आज दिनांक 07.02.2023 थानाध्यक्ष द्वारा थाना स्थानीय पर सैनिक सम्मेलन किया गया जिसमें थाना स्थानीय कार्य सरकार व अवकाश के अलावा समस्त अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे दौरान सैनिक सम्मेलन उच्च अधिकारी गण द्वारा प्राप्त आदेशों व निर्देशों से सभी को अवगत कराया गया मीटिंग में सभी अधिकारी कर्मचारी गणों से उनके सरकारी व निजी समस्या के बारे में पूछा गया तो कोई भी समस्या से अवगत नहीं कराया तथा आने वाले शिवरात्रि त्यौहार के कार्यक्रमों पर सतर्क दृष्टि रखने हेतु निर्देशित किया क्षेत्र में जाएंगे तो चौकीदारध्ग्राम

गया तथा रात्रि गश्त में सतर्कता पूर्वक निर्धारित समय पर ड्यूटी पर रहने हेतु अवगत कराया गया तथा जब भी अपने बीट प्रधान से समन्वय स्थापित करेंगे साथ ही साथ अपराधियों का सत्यापन करेंगे तथा सतर्क दृष्टि बनाए रखेंगे।

प्रा०वि० महदेवा नानकार में मनाया गया वार्षिक महोत्सव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। मंगलवार को शोहरतगढ़ विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय महदेवा नानकार में वेसिक शिक्षा परिषद के बच्चों एवं अध्यापकों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच स्कूल ने अपना वार्षिक महोत्सव मनाया गया। बतौर मुख्य अतिथि पहुँचे शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना से की गई। अंजलि, साबिया, मनीषा, सोनिका, अनुराधा, काजल, अर्चिता, चांदनी,जयकिशन, अरुण, अनमोल, संतोष, कन्हैया, मोहित आदि बच्चों ने सरस्वती वंदना माँ शारदे.. ., स्वागत गीत मंगल स्वागत है.. जलवा–जलवा तेरा जलवा... बड़ा निक लागे देशवा के माटी व अन्य गीतों पर भी बच्चों ने बेहतरीन प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ब्लाक अध्यक्ष शोहरतगढ़ मनीष सिंह व मुख्य अतिथि विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने बच्चों को देकर बच्चों का हौसला बढ़ाया। वेसिक शिक्षा परिषद के नन्हे मुन्ने बच्चों का संस्कृति कार्यक्रम देखकर विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों व प्राथमिक विद्यालय महदेवा नानकार के बच्चों जब भी मेरी आवश्यकता होगी मैं तुरंत आप लोगों के सहयोग के लिए मौजूद रहूंगा। इस दौरान विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, रामदास मौर्या अपना दल एस विधानसभा अध्यक्ष शोहरतगढ़, समाज सेवी रवि अग्रवाल, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ब्लाक अध्यक्ष शोहरतगढ़ मनीष सिंह, प्रमोद कुमार चौधरी एआरपी, ग्राम प्रधान राम मिलन चौधरी, प्रधानाध्यापिका कैंसर जहां, पृथ्वीपाल भारती, पंकज सिंह, उपासना मलिक, दीपा, संजीव बाल्यान, संजीव कुमार, अनिल कुमार सरोज आदि लोग मौजूद रहे।

व्यवसायियो ने किया शोक सभा आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार। कस्बा के रानीगंज के निवासी व्यवसायी मथुरा प्रसाद जायसवाल 85 वर्ष के निधन पर मंगलवार को व्यवसायियो ने एक शोक सभा आयोजित करके दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। शोक सभा मे पूर्व चेयरमैन हेमन्त कुमार जायसवाल, संजय जायसवाल, विशाल अग्रहरि, मनीष अग्रहरि, अभिषेक दूबे, कपिल त्रिपाठी, सोमनाथ मिश्र, जगदीश अग्रहरि, गया दीन गुप्ता, अनूप मोदनवाल, आशीष जायसवाल,दर्पण जायसवाल, सुनील जायसवाल अमरेश वर्मा आदि शामिल रहे।

रविदास जी के बताए मार्ग पर चलना समाज के लिए हितकारी–सुजीत राणा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। भवानीगंज थाना क्षेत्र के बढ़नी चाफा टोला बड़ेडीह गांव में दिनांक 6–2–2023 को संत रविदास जी की जयंती धूमधाम से मनायी गयी, कार्यक्रम का संचालन कर रहे सुजीत राणा ने कहा कि संत रविदास जी के बताए मार्ग पर चलना

ही समाज के लिए हितकारी होगा। कार्यक्रम के उपाध्यक्ष श्रद्धेय बाबूलाल कन्नौजिया ने कहा कि भगवान रविदास जी ने समाज में फैली कुरीतियों को मिटाने तथा समाज को एक सूत्र में बांधने का जो काम किया है वो कभी भुलाया नहीं जा सकता,मृत्यु भोज न करने की शपथ श्रद्धेय लवकुश यादव ने दिलाई। नाट्य कला को भी लोगों ने खूब सराह। कार्यक्रम को आलोक वर्मा, बलेसर प्रसाद, डॉ राजेश गौतम आदि लोगों ने भी संबोधित किया। इस मौके पर फूलचंद अंबेडकर, विकास मौर्य, डॉ योगेन्द्र प्रसाद, कमाल वर्मा, लाल बहादुर, राधेश्याम वर्मा, जग प्रसाद, परशुराम मौर्य, रवि गौतम, सालिगराम मौर्य, परशुराम गौतम आदि लोग उपस्थित रहे।

सिवली कालेज आजमगढ़ व मुगलसराय रेलवे के बीच हुए रोमांचक मुकाबले में आजमगढ़ जीता

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के कादिराबाद में आयोजित तीन दिवसीय आल इंडिया वालीबाल प्रतियोगिता के दूसरे दिन

मंगलवार को मुगलसराय रेलवे की टीम ने सिवली कालेज आजमगढ़ की टीम को हराया। पूर्व मंत्री स्व. कमाल युसूफ मलिक के याद में मलिक स्पोर्टिंग क्लब के तत्वाधान में आयोजित वालीवाल टूर्नामेंट में मंगलवार को पहला मैच मुगलसराय रेलवे व सिवली कालेज आजमगढ़ के बीच खेला गया। जिसमें पहला सेट मुगलसराय रेलवे ने जीता। दूसरा सेट आजमगढ़ ने। जिसके बाद तीसरा सेट खेला गया, जिसमें सिवली कालेज आजमगढ़ ने जीत दर्ज की और अगले दौर में जगह बना लिया। इसके पूर्व प्रतियोगिता का शुभारम्भ डुमरियागंज के प्रधान संघ अध्यक्ष दिलीप पाण्डेय उर्फ छोटे व मौलाना आजाद इंटर कालेज कादिराबाद के प्रधानाचार्य डा.मो. अहमद ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजन से लोगों में खेल भावना जाग्रत होता है। इस दौरान दिनेश पाण्डेय, अब्दुल हन्नान, मुर्तजा मलिक, बबलू मलिक, अफजाल, सोनू, वामिक, सुहेल मलिक, जमाल अहमद, अरशद मलिक, रक्षाराम, हारून, इजहारुद्दीन, नौशाद, एबी मलिक, गुफरान, शाकिब, राकेश, शहजाद, रियाज, मोहसिन, शाहिद, विक्रम, निसार आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सेवाएं और सुविधाएं बढ़ाकर पिपरा रसूलपुर ने पेश की मिसाल

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पिपरा रसूलपुर को मिला एनक्वास प्रमाण पत्र

दैनिक बुद्ध का सन्देश

महराजगंज। बेहतर व गुणावत्तापरक सेवाएं और सुविधाएं देकर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पिपरा रसूलपुर ने मिसाल कायम किया है। सेंटर को भारत सरकार से नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेशन यानी एनक्वास प्रमाण पत्र मिला है। इससे पहले इस सेंटर को कायाकल्प एवार्ड भी मिल चुका है। इस सेंटर को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मंडलीय कार्यक्रम प्रबंधक अरविंद पाण्डेय ने गोद लिया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.नीना वर्मा ने बताया कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पिपरा रसूलपुर में पहले की अपेक्षा स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं में काफी बदलाव हुआ है। यहां पर प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन कार्यक्रम और सीएचओ द्वारा ओपीडी की सुविधा उपलब्ध है। लेबर रूम में अच्छी व्यवस्था की गयी है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि पिपरा रसूलपुर ने प्रसव, जांच और इलाज देने में पहला स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य मानक पर खरा उतरने पर एनक्वास प्रमाण पत्र प्राप्त मिला है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की टीम ने अक्टूबर 2022 को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पिपरा रसूलपुर का विभिन्न बिन्दुओं पर असेसमेंट किया था। टीम ने सेंटर के प्रवेश द्वार, पर्ची काउंटर, ओपीडी, लेबर रूम, अभिलेखों के रख रखाव व साफ सफाई आदि व्यवस्था की जांच की थी। इस असेसमेंट में सेंटर ने 78 फीसदी अंक हासिल किया। सदर सीएचसी के अधीक्षक डॉ. केपी सिंह ने बताया कि दूरस्थ क्षेत्र में स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पिपरा रसूलपुर पर तीन साल पहले दो से तीन प्रसव प्रति माह होता था, लेकिन अब बेहतर प्रबंधन के कारण प्रति माह करीब 25 संस्थागत प्रसव हो रहा है। पहले यहां ओपीडी में मरीज नहीं आते थे, अब प्रतिदिन 20 से 25 मरीज देखे जाते हैं। गर्भवती की हीमोग्लोबिन, मधुमेह, रक्तचाप, पेट की जांच, पेशाब की जांच और वजन की गुणवत्तायुक्त जांच की सुविधा भी उपलब्ध है। क्वालिटी एश्योरेंस कार्यक्रम के मंडलीय कन्सल्टेंट यशवन्त कुमार मल्ल ने बताया कि पिपरा रसूलपुर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (स्वास्थ्य उपकेन्द्र) रसूलपुर पहले बदहाल था, बाद में जिला प्रशासन के सहयोग से चहारदीवारी बनवायी गयी और इंटर लाकिंग कराया गया। पेंटिंग कराने के साथ मरीजों व तीमारदारों के लिए अच्छी सुविधाएं दी गयीं और योगा के लिए शेड का निर्माण भी कराया गया। एनक्वास की तैयारी के लिए स्टॉफ को प्रशिक्षित किया गया। पिपरा रसूलपुर की इस उपलब्धि पर एसीएमओ डॉ.राजेंद्र प्रसाद, डिप्टी सीएमओ डॉ.वीर विक्रम सिंह, डिप्टी सीएमओ डॉ.नीरज कन्नौजिया, डिविजनल प्रोग्राम मैनेजर अरविंद पांडेय, जिला क्वालिटी एश्योरेंस कंसल्टेंट डॉ. संतोष ओझा, डीपीएम नीरज सिंह, डीसीपीएम संदीप पाठक, बीपीएम सूर्य प्रताप सिंह और बृजेश विश्वकर्मा ने शुभकामनाएं दी है।

यातायात नियमों की दी जानकारी

गोरखपुर । मंगलवार को सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम के अंतर्गत, सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता कार्यक्रम तथा शपथ ग्रहण का आयोजन जेबी महाजन डिग्री कालेज पर किया गया स राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र कुशवाहा ने स्वयंसेवकों को सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों पर विस्तार पूर्वक व्याख्यान के साथ शपथ दिलाया , और छात्र–छात्राओं की रैली निकालकर राहगीरों के साथ अन्य जनमानस को स्वयं सेवकों ने यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया स कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर मधुप कुमार ने शिक्षा और नागरिक जीवन के संबंधों का वर्णन करते हुए इस तरह के जागरूकतापूर्ण कार्यक्रमों को नागरिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण बताया ।

मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु पहुंचे महराजगंज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

महराजगंज। एक दिवसीय कार्यक्रम के तहत महराजगंज

पहुंचे उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु। राज्य मंत्री आयुष खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन स्वतंत्र प्रभार, दया शंकर मिश्र "दयालु" पंहुचे महराजगंज, मंत्री ने जिला कलेक्ट्रेट में भाजपा पदाधिकारियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ की समीक्षा बैठक, मंत्री ने समीक्षा बैठक में बजट को लेकर भी की चर्चा, मंत्री ने कहा कि बजट से यूपी के विकास को और रफ्तार मिलेगी केंद्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर लगातार विकास का काम जोरों पर चल रहा है राज्यमंत्री ने सपा के स्वामी प्रसाद मौर्य के रामचरित मानस पर दिए बयान को बताया घृणित। समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए मंत्री ने कहा कि रामचरितमानस पर जिस तरह का बयान स्वामी प्रसाद मौर्या ने दिया है सपा ने अमर्यादित टिप्पणी करने के बाद उनको इनाम दिया है ब्राह्मणों को लेकर जिस तरीके की चर्चा चल रही ब्राह्मण शब्द का अर्थ विद्वान होने से जोड़ा जाता रहा है।

सम्पादकीय

आधुनिक भारत का सामाजिक परिवर्तन और श्रीरामचरित मानस का जलाना

यह आधुनिक भारत का सबसे बड़ा सामाजिक परिवर्तन है। आधुनिक भारत में हुए इस सामाजिक परिवर्तन में जाति व्यवस्था गौड़ हो चुकी है। वर्ग आधारित आधुनिक समाज में व्यक्ति, अमीर, गरीब, निम्न मध्यवर्ग और उच्च मध्यवर्ग में आर्थिक आधार पर विभक्त है। ऐसे में मैंने किसी मंदिर में पुजारी जी और पंडित जी के द्वारा किसी ...

पवित्र ग्रंथ श्रीरामचरित मानस का जितना महत्व धार्मिक रूप में है उतना ही एकेडमिक (शैक्षणिक) महत्व भी है। सुशासन के दृष्टिकोण से भी श्रीरामचरित मानस का सार्वकालिक महत्व है। फिर इसे जलाया क्यों जा रहा है। इसी के एक तीखी बहस भारतीय समाज के संस्तरणात्मक अवस्थापना को भी खोजने का प्रयास जारी है। भारतीय समाज के स्तरीकृत सामाजिक व्यवस्था को सुंदरतम और सुदृढ़ बनाने में यहां की कर्म आधारित जातिगत व्यवस्था का बहुत बड़ा योगदान रहा है। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र में बनी सामाजिक संरचना ने परंपरागत रूप में कर्म को महत्ता प्रदान की है। फिर कब और कैसे कर्म आधारित जातिगत व्यवस्था ने कर्मणा की बजाए जन्मना को मूल मान लिया। इस चीज की पड़ताल जरूरी है। भारतीय इतिहास की पड़ताल करें तो गुप्त वंश से कई सामाजिक बुराइयां आईं। गौरतलब है कि भारत में 240 ईस्वी से 550 ईस्वी तक गुप्त वंश का शासन था। गुप्तकाल में अस्पृश्यता प्रचलित थी। चीनी यात्री फाह्यान के अनुसार गुप्तकाल में एक अस्पृश्य वर्ग था जिसे अन्तयज या चांडाल या प्रतिलोम विवाह से उत्पन्न भी कहा जाता था। ये साफ सफाई का कार्य किया करते थे। बहुत संभव है कि गुप्त काल में ही कर्म आधारित जाति व्यवस्था का जन्म आधारित जाति व्यवस्था में रूपांतरण हो गया हो। तभी से जन्म से ही जातिगत सामाजिक संरचना का प्रचलन है। जातिगत व्यवस्था कृषि आधारित सामाजिक व्यवस्था में विनिमय पद्धति के द्वारा आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति होती थी। मसलन पानी पीने के लिए घड़े की जरूरत हुई तो उसे अनाज दे दिया। प्रतीक मुद्रा सर्व सुलभ न थी। नगर उतने न थे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था और प्रतिपूर्ति विनिमय पद्धति के द्वारा संचालित होती थी। कालांतर में सामंतवाद ने जाति प्रणाली को और अधिक मजबूत किया। आजादी के बाद भारत में पूंजीवाद ने जाति आधारित सामाजिक व्यवस्था के ताने बाने को न के बराबर करना शुरू किया। आजादी के बाद भारत के संविधान ने देश के नागरिकों को समता का अधिकार दिया जिससे कमजोर और वंचित तबके के लोगों को भी बड़ी संख्या में नौकरी मिली और सभी लोग खाते पीते सुविधा भोगी वर्ग में तब्दील हो गए। यह आधुनिक भारत का सबसे बड़ा सामाजिक परिवर्तन है। आधुनिक भारत में हुए इस सामाजिक परिवर्तन में जाति व्यवस्था गौड़ हो चुकी है। वर्ग आधारित आधुनिक समाज में व्यक्ति, अमीर, गरीब, निम्न मध्यवर्ग और उच्च मध्यवर्ग में आर्थिक आधार पर विभक्त है। ऐसे में मैंने किसी मंदिर में पुजारी जी और पंडित जी के द्वारा किसी की जाति पूछते नहीं देखा। बकौल डॉ सीमा मिश्रा के अनुसार जाति स्कूलों और सरकारी नौकरियों और इसी के साथ सरकारी योजनाओं के लाभ हेतु विद्यार्थी अथवा संबंधित व्यक्ति की जाति का उल्लेख अवश्य होता है। निश्चित रूप से आजाद भारत में संविधान ने भारत के प्रत्येक नागरिकों को अवसर की समानता दी है। जब भारत में सभी लोगों को आजादी प्राप्त है ऐसे में श्रीरामचरित मानस को किसी भी व्यक्ति द्वारा जलाए जाने की घटना निंदनीय और द्रोह है। अंत में एक बात यह कि जो भी नेता श्रीरामचरित मानस के कुछ अंशों को निकालने की बात करते हैं, जरा उनकी गाड़ियां देखिए। वे विपन्न नहीं हैं। वे आर्थिक रूप से मजबूत हैं। यह आजादी भारत की आधुनिक कर्म आधारित व्यवस्था और संविधान ने दिया है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का सन्देश

साहस कहें या दुस्साहस?

मध्य वर्ग के लिए आय कर में छूट का जो एलान शुरुआत में बड़ा दिखा, वह विश्लेषण पर दिखावटी मालूम पडने लगा। साफ हो गया कि इसके पीछे मकसद साफ तौर पर विभिन्न मदों से मिलने वाले डिडक्शन को खत्म करना है।

आप चाहें, तो इसे साहस या आत्म–विश्वास कह सकते हैं। किसी और नजरिए से इसे दुस्साहस या अति आत्म–विश्वास भी कहा जा सकता है। लेकिन यह सचमुच काबिल–ए–गौर है कि चुनावी साल होने के बावजूद नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने बजट में कृषि क्षेत्र, सामाजिक क्षेत्र, कल्याणकारी योजनाओं आदि के लिए बजट में कटौती कर दी। मध्य वर्ग के लिए आय कर में छूट का जो एलान शुरुआत में बड़ा दिखा, वह विश्लेषण पर दिखावटी मालूम पडने लगा। साफ हो गया कि इसके पीछे मकसद साफ तौर पर विभिन्न मदों से मिलने वाले डिडक्शन को खत्म करना है। इसके अलावा बीमा मैच्युरिटी की रकम पर भी टैक्स लगाने का फैसला सरकार ने किया है। इस बजट की एक खास बात पूंजीगत खर्च में 33 प्रतिशत वृद्धि बताई गई है। लेकिन इस रकम का कितना बड़ा हिस्सा सब्सिडी के रूप में बड़े कॉरपोरेट घरानों को जाएगा और कितने से सचमुच सार्वजनिक संपत्ति निर्मित होगी, इसका ब्योरा नहीं दिया गया है।

तो साफ है कि सरकार को भरोसा है कि उसके पास चुनाव जीतने का ऐसा फॉर्मूला है, जिससे बजट से डाले गए बोझ भी बेअसर बने रहेंगे। गौर कीजिए। बजट से ठीक पहले आए इकोनॉमिक सर्वे में कहा गया था कि वित्त साल 2022–23 में आर्थिक वृद्धि इन तीन वजहों से हुईरू कोरोना के बाद मांग में बढ़ोतरी, 2022 के पहले कुछ महीनों में बढ़ा निर्यात और सरकार की ओर से किए गए खर्चे। इनमें से दो बातें तो अगले साल के लिए डरावना इशारा कर रही हैं। मांग के अगले साल और बढने के आसार नहीं हैं। नई नौकरियां आती हैं और तनख्वाह बढ़ती है, तो फिर मांग बढ़ती है। अभी भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में हालात इससे उलट हैं। निर्यात में बढ़ोतरी की संभावना भी नहीं है। जाहिर है, आम जन की अर्थव्यवस्था तो फिलहाल डगमग ही रहने वाली है। खुद सरकार भी कर्ज का बोझ बढ़ेगा, यह बजट में ही कहा गया है। इसके बावजूद अमृत काल का नारा उछाला गया है, तो यह भी सरकार के अति आत्म–विश्वास का ही संकेत देता है।

भारत में विदेशी शिक्षण संस्थानों की डिग्री

पाक्षात्य मूल्यों से प्रभावित शिक्षा के ब्लू प्रिंट्स ने भारतीय नैतिक मूल्यों को सही स्थान नहीं दिया है और इन मूल्यों को कमजोर करने का काम किया है। इस बात से कौन इनकार करेगा कि देश का छात्रों के रूप में बहुमूल्य शैक्षणिक धन देश के ही काम आना चाहिए। क्या विदेशी विश्वविद्यालयों का मकसद शिक्षा को एक व्यापारिक उत्पाद के रूप में पेश करना होगा या फिर शिक्षा उनके लिए...

अजय दीक्षित

विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए भारत में परिसर स्थापित करने की दिशा में कदम उठाते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इसके लिए नियम जारी किए हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर स्थापित करने के लिए यूजीसी से मंजूरी लेनी होगी, वहीं उन्हें दाखिला प्रक्रिया तथा शुल्क ढांचा तय करने की छूट होगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अनुसार विदेशी विश्वविद्यालय केवल परिसर में प्रत्यक्ष कक्षाओं के लिए पूर्णकालिक कार्यक्रम पेश कर सकते हैं, ऑनलाइन माध्यम या दूरस्थ शिक्षा माध्यम से नहीं। प्रारंभ में इन्हें 10 साल के लिए मंजूरी दी जाएगी भारत में परिसर स्थापित करने वाले विदेशी विश्वविद्यालयों को अपनी स्वयं की प्रवेश प्रक्रिया तैयार करने की छूट होगी। ये संस्थान शुल्क ढांचा तय कर सकते हैं। इसमें एक श्रेणी उन संस्थानों की होगी जो सम्पूर्ण रूप से शीर्ष 500 संस्थानों की सूची। में होंगे और दूसरे गृह क्षेत्र में उत्कृष्ट दर्जे वाले संस्थान होंगे। विदेशी संस्थानों को भारत और विदेशों से शिक्षकों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की छूट होगी। विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में शिक्षा उपलब्ध कराने की अनुमति देना हालांकि एक बुरा कदम नहीं कहा जा सकता है, लेकिन इससे जुड़े कुछ चुनिंदा पहलुओं को भी विचारना होगा। सबसे पहले यह विचार करें कि विदेशी विश्वविद्यालयों को देश में लाने की जरूरत क्यों हुई है? पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय पटल पर हमारे देशी विश्वविद्यालय गुणात्मक उच्च शिक्षा के विश्व स्तर पर मानदंड स्थापित करने में कामयाब नहीं हुए हैं। हमारे उच्च शिक्षा उपलब्ध करवाने वाले संस्थान, सिवाय आईआईटी और आईआईएम के शेखी तो बघारते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पैठ नहीं जमा पाए हैं। परंतु हम सब खुद को मनोवैज्ञानिक तसल्ली देने के लिए कह सकते हैं कि हमारा देश वही भारत है जहां कभी विदेशों से बहुत ही मेधावी छात्र और विद्वान ज्ञान प्राप्ति के लिए नालंदा और तक्षशिला जैसे देशी विश्वविद्यालयों में आते थे, पर अब तो अफ्रीका जैसे अत्यंत गरीब देशों से या फिर पड़ोसी मुल्कों से कुछ गरीब छात्र हमारे विश्वविद्यालयों में देखे जाते हैं। ऐसी स्थितियां क्यों हैं कि विदेशी विश्वविद्यालयों को हमारी उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए आना पड़ रहा है या फिर हम उनके लिए अपने द्वार खोल रहे हैं। हमें विवेचना करनी होगी कि हमारे पास देशी विश्वविद्यालयों की अकादमिक गुणवत्ता सुधारने के लिए किस तरह की कार्य योजना है? यदि नहीं है तो इस पर तुरंत काम होना चाहिए और संबंधित सिस्टम को काम करना चाहिए। आज देश के लाखों मेधावी छात्र उच्च शिक्षा हासिल करके अपनी काबीलियत को साबित करना चाहते हैं, लेकिन प्रशासनिक हस्तक्षेप का शिकार और बुद्धिजीवी क्षमताओं पर समझौता करने वाले अनेक देशी विश्वविद्यालय उनकी पसंद नहीं हैं। ऐसा क्यों है? मेड इन इंडिया को उच्च शिक्षा में प्रोत्साहित करने के लिए इस पर गहन चिंतन और वांछित कदमों की जरूरत है। हमें महसूस करना चाहिए कि देश के बेहतर उच्च शिक्षा के चाहवान गरीब छात्र महंगी विदेशी ब्रांडेड शिक्षा का आर्थिक बोझ नहीं उठा सकते हैं। अनेक राज्यों में तो किसानों के बच्चे अपनी पारिवारिक कृषि भूमि बेच कर बाहर शिक्षा प्राप्त करने जा रहे हैं। ऐसा देखने में आ रहा है कि विदेशी धरती पर पढने जाना काफी देशी छात्रों के लिए विदेशों में काम के जरिये डॉलर कमाने का रास्ता है। देश का कीमती फरिन एक्सचेंज इन विदेशी शिक्षा संस्थानों को अदा करने से बाहर जा रहा है और इससे देश की आर्थिक हालत दबाव में आती है। इससे देश में सामाजिक असंतुलन पैदा हो रहा है जिसे हम नजरअंदाज कर रहे हैं। क्या विदेशी विश्वविद्यालयों की देश में मौजूदगी इन छात्रों के विदेश जाने की मुहिम रोक सकेगी? और विदेशी मुद्रा का बाहर जाना कम कर सकेगी? कहना न होगा कि लार्ड मैकाले की कुत्सित सोच पर आधारित शिक्षा मॉडल ने हमारे देश को विदेशी शिक्षा संस्कृति की मानसिक गुलामी दे रखी है। इसके सामने आज भी हम नतमस्तक हैं, क्योंकि हमारे पास कोई वैकल्पिक मॉडल नहीं है जिसके कारण इसके गलत प्रभाव हम आज तक भुगत रहे हैं। पाश्चात्य शिक्षा मॉडल्स ने बुनियादी भारतीय शिक्षा मॉडल की मौलिकता लगभग खत्म कर डाली है। अब प्रश्न यह भी है कि क्या विदेशी विश्वविद्यालय हमारे देश की शिक्षा जरूरतों के लिए मुफीद साबित होंगे या फिर विदेशी परफ्यूम की खुशबू की तरह साबित होंगे? क्या इनकी शिक्षा हासिल करने वाले छात्र शिक्षा हासिल करने के बाद डॉलर कमाने के चक्कर में बाहर का रुख नहीं करेंगे? और तो और, क्या ये देश के हितों के प्रति संवेदनशील होंगे? क्या इनसे शिक्षा हासिल करने वालों के लिए हमारे पास पर्याप्त आर्थिक मौके होंगे? इन सब बातों को विचारने की जरूरत है। पाक्षात्य मूल्यों से प्रभावित शिक्षा के ब्लू प्रिंट्स ने भारतीय नैतिक मूल्यों को सही स्थान नहीं दिया है और इन मूल्यों को कमजोर करने का काम किया है। इस बात से कौन इनकार करेगा कि देश का छात्रों के रूप में बहुमूल्य शैक्षणिक धन देश के ही काम आना चाहिए। क्या विदेशी विश्वविद्यालयों का मकसद शिक्षा को एक व्यापारिक उत्पाद के रूप में पेश करना होगा या फिर शिक्षा उनके लिए सामाजिक और कल्याणकारी उत्पाद होगा जो कि देसी शिक्षा संस्थानों में भी कम हो रहा है ।

विधानसभा चुनाव : पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में से दो में जा सकती है भाजपा की सत्ता

यदि भाजपा तीन में से दो राज्यों में सत्ता खो देती है, तो दूसरे चरण में कर्नाटक में उसके चुनाव अभियान को एक बड़ा धक्का लगेगा। कांग्रेस पहले से ही कर्नाटक में भाजपा के खिलाफ लाभप्रद स्थिति में है। कर्नाटक में विधानसभा चुनावों में भाजपा को हराने के लिए एक बड़े नये धक्के की जरूरत है। इसके लिए पार्टी नेतृत्व को भाजपा के खिलाफ उसे मात देने की उत्कट भावना के साथ आगे ...

नित्य चक्रवर्ती

भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद कांग्रेस आलाकमान को इन तीन राज्यों में चुनाव की तैयारियों पर पूरा ध्यान देना चाहिए। यदि भाजपा तीन में से दो राज्यों में सत्ता खो देती है, तो दूसरे चरण में कर्नाटक में उसके चुनाव अभियान को एक बड़ा धक्का लगेगा। कांग्रेस पहले से ही कर्नाटक में भाजपा के खिलाफ लाभप्रद स्थिति में है। कर्नाटक में विधानसभा चुनावों में भाजपा को हराने के लिए एक बड़े नये धक्के की जरूरत है। 16 फरवरी को त्रिपुरा में और 27 फरवरी को मेघालय और नागालैंड में होने वाले मतदान के साथ 2023 विधानसभा चुनाव का मौसम शुरू हो गया है। पहले चरण के तीनों राज्यों के नतीजे 2 मार्च को जाने जायेंगे। नतीजों का खासा असर होगा वर्ष के दौरान निर्धारित शेष छह राज्यों में चुनाव प्रचार की गति पर। कर्नाटक में इस साल अप्रैलध्मई में दूसरे चरण में चुनाव होने हैं। संकेतों से पता चलता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह दोनों के भारी संसाधनों और लगातार अभियानों के बावजूद, शक्तिशाली भाजपा मेघालय में जूनियर पार्टनर के रूप में सत्ता खोने के लिए तैयार है। त्रिपुरा में, भाजपा एक तंग स्थिति में है क्योंकि गठबंधन के उसके साथी आईएफटीएफ ने अपना पिछला आधार नयी आदिवासी पार्टी टिपरा मोथा (टीएम) के लिए खो दिया है, जो वामपंथी मुख्य गठबंधन माकपा और कांग्रेस के नेतृत्व वाले मोर्चे के साथ सीमित तालमेल के लिए खुले विकल्प के साथ अकेले लड़ रही है। नागालैंड एकमात्र ऐसा राज्य है जहां भाजपा क्षेत्रीय पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन में एक जूनियर पार्टनर के रूप में वापस आने के लिए आश्वस्त है। 60 सीटों में से भाजपा 20 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और उसके क्षेत्रीय सहयोगी शेष 40 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। फिलहाल त्रिपुरा में भाजपा का दांव काफी ऊंचा है। आरएसएस द्वारा वर्षों के पोषण के बाद पार्टी ने 2018 के विधानसभा चुनावों में सीपीआई (एम) को हराकर सत्ता हासिल की, जो लंबे समय से सत्ता में थी। भाजपा को 60 में से 35 सीटें मिलीं, जबकि माकपा को 16 सीटें मिलीं। लेकिन माकपा ने अपने वोट शेयर को भाजपा के 43.59 प्रतिशत के मुकाबले 42.2 प्रतिशत के सहज स्तर पर बनाये रखा। पांच साल में त्रिपुरा में राजनीतिक स्थिति काफी हद तक बदल गयी है, जिससे भाजपा शासन के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ गया है। सी पी आइ (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे ने अंततरू भाजपा के विरुद्ध एकजुट होकर मुकाबला करने के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन किया। लंबे समय तक अव्यवस्था के बाद हाल के महीनों में कांग्रेस ने अपने आधार समर्थन में सुधार किया है। लेकिन चुनावी लड़ाई में सबसे महत्वपूर्ण कारक नयी आदिवासी पार्टी टिपरा मोथा (टीएम) है, जिसके पास लगभग 80 प्रतिशत आदिवासी समर्थन है। अगर टीएम के साथ वाम–कांग्रेस गठबंधन की पूरी समझ होती तो यह कहा जा सकता था कि अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार तय है। लेकिन अब यह निश्चित नहीं है क्योंकि टीएम 60 में से 45 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। आदिवासी 20 निर्वाचन क्षेत्रों में, टीएम की बड़ी बढ़त है, लेकिन शाही परिवार के वंशज प्रद्योत नारायण माणिक्य देबबर्मा के नेतृत्व वाली पार्टी को एक सम्मानित राजनेता होने के कारण सामान्य अनारक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में भारी समर्थन प्राप्त है। वाम–कांग्रेस गठबंधन के लिए बेहतर होगा कि नामांकन वापस लेने के बाद भी अब कुछ समझ बना ली जाये, ताकि कुछ महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा विरोधी वोटों के बंटने से बचने के तरीके खोजे जा सकें। भाजपा को हराने के लिए यह सुनिश्चित करना होगा। इसके अलावा, त्रिशंकु विधानसभा होने पर टीएम के साथ चुनाव बाद गठबंधन के लिए दरवाजे खुले रखे जाने चाहिए। तृणमूल कांग्रेस ने भी राज्य के चुनाव में 28 उम्मीदवार उतारे हैं और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी 6 और 7 फरवरी को त्रिपुरा का दौरा कर रही हैं। ममता का बंगालियों के बीच एक बड़ा प्रभामंडल है और उनके बड़ी भीड़ खींचने की संभावना है। अगर टीएमसी को बंगालियों से अच्छे वोट मिलते हैं, तो यह वामपंथियों के अलावा भाजपा के वोटों की कीमत पर होगा। ऐसे में टीएमसी के वोट भी नतीजे तय करने में अहम भूमिका निभायेंगे। मेघालय में, कॉनरैड संगमा के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ एनपीपी सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है, तो उसकी एनडीए की सहयोगी भाजपा भी। इसी तरह तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस भी 60–60 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। मुकाबला एनपीपी, टीएमसी और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय होगा, जिसमें भाजपा मामूली भूमिका निभायेगी। 2018 के चुनावों में कांग्रेस को 28.5 प्रतिशत के उच्चतम वोट प्रतिशत के साथ 21 सीटें मिलीं थीं। भाजपा को 9.6 फीसदी वोट के साथ सिर्फ 2 सीटें मिलीं थी, लेकिन फिर भाजपा ने चालाकी से अपनी सीटें बढ़ायीं और क्षेत्रीय पार्टियों पर केंद्र का दबाव डालकर जूनियर पार्टनर बन गयी। तृणमूल कांग्रेस ने संसाधन जुटाने में भाजपा के साथ प्रतिस्पर्धा की और अंत में कांग्रेस से दलबदल का आयोजन करने में सफल रही। टीएमसी के पास अब मुकुल संगमा के नेतृत्व में 12 विधायक हैं और पार्टी विपक्ष की मुख्य पार्टी के रूप में कॉनरैड संगमा को सत्ता से हटाने के लिए प्रचार कर रही है। दलबदल के बावजूद कांग्रेस मेघालय में अभी भी बड़ा आधार बनाए हुए है। अगर पार्टी को पर्याप्त केंद्रीय मदद मिल सकती है, तो उसे निश्चित रूप से कुछ सीटें मिल सकती हैं। लेकिन पूर्वोत्तर राज्यों में कांग्रेस के साथ समस्या यह है कि केंद्रीय नेतृत्व ने सात राज्यों वाले क्षेत्र को छोड़ दिया है। भाजपा हमेशा अपने शीर्ष नेताओं को राज्य पार्टी इकाइयों की मदद के लिए पूर्वोत्तर राज्यों में भेजती है। अमित शाह खुद काफी समय देते हैं। लेकिन कांग्रेस ने कभी अपना गढ़ माने जाने वाले पूर्वोत्तर राज्यों को भाजपा के नियंत्रण से खिसक जाने दिया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पूर्वोत्तर क्षेत्र में एनडीए के प्रभारी हैं। कांग्रेस में कोई भी ऐसा नहीं है जो उनके सांगठनिक कौशल का मुकाबला कर सके। भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद कांग्रेस आलाकमान को इन तीन राज्यों में चुनाव की तैयारियों पर पूरा ध्यान देना चाहिए। यदि भाजपा तीन में से दो राज्यों में सत्ता खो देती है, तो दूसरे चरण में कर्नाटक में उसके चुनाव अभियान को एक बड़ा धक्का लगेगा। कांग्रेस पहले से ही कर्नाटक में भाजपा के खिलाफ लाभप्रद स्थिति में है। कर्नाटक में विधानसभा चुनावों में भाजपा को हराने के लिए एक बड़े नये धक्के की जरूरत है।

एशिया कप 2023 की मेजबानी को लेकर जावेद मियांदाद की टिप्पणी पर भारतीय दिग्गजों ने दिया करारा जवाब

एशिया कप का आयोजन 2023 में होना है। संभावना है कि इसका आयोजन सितंबर में किया जाएगा। हालांकि अब तक ये तय नहीं हो पाया है कि एशिया कप का आयोजन पाकिस्तान में ही होगा या इसकी मेजबानी किसी और को दी जाएगी।

जावेद मियांदाद ने दिया था विवादित बयान

एशिया कप की मेजबानी को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष समेत वहां के दिग्गज खिलाड़ी भी भड़के हुए है। इस मामले में हाल ही में पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी जावेद मियांदाद ने आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग करते हुए कहा था कि अगर भारत पाकिस्तान में खेलने नहीं आना चाहता है वो भाड़ में जाए। हमें जीवित रहने के लिए भारत पर निर्भर रहने की जरुरत नहीं है। हमारा क्रिकेट भारत के बिना भी बेहतर चल रहा है। अगर भारतीय टीम एशिया कप के लिए पाकिस्तान नहीं आती तो हम भी विश्व कप के लिए वहां नहीं जाएंगे। भारतीय खिलाड़ियों ने किया पलटवारः इस मामले पर अब रविचंद्रन अश्विन ने भी जावेद मियांदाद को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि कई बार होता है जब हम सुनते हैं कि पाकिस्तान भारत नहीं आना चाहता मगर टूर्नामेंट को तब बाहर शिफ्ट किया जाता है। इस बार एशिया कप को श्रीलंका में शिफ्ट करना चाहिए क्योंकि ये बार बार दुबई में हो रहा है। वेंकटेश्वर प्रसाद ने भी किया ट्वीटः इस मामले पर अब पूर्व भारतीय गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने भी पाकिस्तान पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्विटर पर जबरदस्त तरीके से पाकिस्तान के इस जवाब का रिप्लाई किया है। उन्होंने मियांदाद से जुड़ी टिप्पणी को शेयर करते हुए लिखा की भारतीय टीम भाड़ में जाने से मना कर रही है।

बीसीसीआई ने किया इनकार

दरअसल बीसीसीआई और एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष जय शाह ने बीते वर्ष ही कहा था कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। एशिया कब वहां से बाहर शिफ्ट होता है तो ही भारतीय टीम इसमें हिस्सा लेगी।

मार्च में होगा फैसला

बीसीसीआई सचिव जय शाह और पीसीबी चेयरमैन नजम सेठी के बीच शनिवार को बहरीन में हुई पहली औपचारिक मुलाकात के बाद एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) एशिया कप वनडे टूर्नामेंट के वैकल्पिक स्थल पर फैसला मार्च में करेगी। एशिया कप मेजबानी का अधिकार शुरू में पाकिस्तान को दिया गया था और इसे सितंबर 2023 में कराया जाना था लेकिन एसीसी के चेयरमैन शाह ने पिछले साल अक्टूबर में घोषणा की कि भारत पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगा।

जॉन हॉपकिंस ने लगातार दूसरी बार भारतीय–अमेरिकी छात्रा को 'दुनिया की सबसे मेधावी छात्रा' घोषित किया

वाशिंगटन। अमेरिका स्थित जॉन हॉपकिंस सेंटर फॉर टैलेंटेड यूथ ने दुनियाभर के 76 देशों के 15,000 छात्र–छात्राओं की ऊपरी ग्रेड स्तर की परीक्षा के नतीजों के आधार पर भारतीय–अमेरिकी स्कूली छात्रा नताशा पेरियानायगम को लगातार दूसरे साल ''दुनिया की सबसे मेधावी छात्रा'' घोषित किया है। पेरियानायगम (13) न्यूजर्सी में फ्लोरेंस एम गॉडिनीयर मिडल स्कूल की छात्रा हैं। उन्होंने 2021 में जॉन हॉपकिंस सेंटर फॉर टैलेंडेउ यूथ (सीटीवाई) की परीक्षा दी थी। उस समय वह पांचवीं ग्रेड की छात्रा थीं। मौखिक एवं मात्रात्मक योग्यता की परीक्षा में नताशा का प्रदर्शन ग्रेड आठ में 90 पर्सेंटाइल हासिल करने के बराबर था, जिस कारण उन्हें उस वर्ष की सम्मान सूची में जगह दी गई। विश्वविद्यालय ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि नताशा को इस साल एसएटी, एसीटी, स्कूल और कॉलेज एबिलिटी टेस्ट या सीटीवाई टैलेंट सर्च के तहत लिए गए समान मूल्यांकन में असाधारण प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। पेरियानायगम के माता–पिता चेन्नई से हैं। उन्होंने कहा कि पेरियानायगम को अपने खाली समय में गूगल डूडल बनाना और जेआरआर टोल्किन के उपन्यास पढ़ना बहुत पसंद है। सीटीवाई दुनियाभर में असाधारण मेधावी छात्रों की पहचान के लिए ऊपरी–ग्रेड स्तरीय परीक्षा का आयोजन करता है और उनकी अकादमिक क्षमताओं के बारे में स्पष्ट तस्वीर पेश करता है। अपने हालिया प्रयास में पेरियानायगम ने सभी उम्मीदवारों से अधिक ग्रेड प्राप्त किए।

भूकंप के झटकों से सब बर्बाद, भारत ने बढ़ाए मदद के हाथ, एनडीआरएफ की आठवीं बटालियन तुर्की के लिए रवाना

7.8 तीव्रता के एक बड़े भूकंप के बाद बैक टू बैक तीन और शक्तिशाली भूकंप के झटकों ने तुर्की और सीरिया के व्यापक क्षेत्रों को तबाह कर दिया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप 18 किलोमीटर की गहराई में आया और सीरिया की उत्तरी सीमा के पास दक्षिणी तुर्की में इसका केंद्र था। सोमवार को 7.8, 7.6 और 6.0 तीव्रता के लगातार तीन भूकंप आने के बाद मंगलवार को मध्य तुर्की में 5.9 तीव्रता का एक और भूकंप आया। भारत सहित दर्जनों देशों ने सहायता का वादा किया है। सीरिया में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,451 हो गई है। व्हाइट हेल्मेट्स द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, 1,451 में से जिनकी मृत्यु की पुष्टि की गई है, उनमें से 740 विपक्षी–नियंत्रित क्षेत्रों में बताए गए थे। शेष 711 को शासन–नियंत्रित क्षेत्रों में शासन मीडिया द्वारा रिपोर्ट किया गया था।

एनडीआरएफ की टीम तुर्की रवानाः राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की तलाश एवं बचाव दल और विशेष रूप से प्रशिक्षित खोजी कुत्तों के दस्ते के साथ भारत की मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री का पहला जत्था तुर्किये रवाना किया गया। प्रशिक्षित चिकित्सकों और पैरामेडिक का एक दल भी आवश्यक दवाओं के साथ तुर्किये भेजे जाएगा। इस टीम में विशेष रूप से ट्रेनिंग हासिल करने वाले अधिकारी और जवान शामिल हैं। एनडीआरएफ के 101 रेक्यूयर्स ऑपरेशन को कंडक्ट करेंगे।

2 टीमों को वहां भेजने का लिया फैसला : एनडीआरएफ खोज और बचाव दल, विशेष रूप से प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड, चिकित्सा आपूर्ति, ड्रिलिंग मशीन और अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ भूकंप राहत सामग्री का पहला बैच भारत से तुर्की भेजा गया है। मामले में एनडीआरएफ गाजियाबाद के डीआईजी ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तुर्की और सीरिया में भूकंप से हुए भयानक हादसे को देखते हुए भारत सरकार ने एनडीआरएफ की 2 टीमों को वहां भेजने का फैसला किया है।

भारत के अनुज किचलू फीफा फुटबॉल एजेंट कार्यसमूह के एकमात्र एशियाई सदस्य

नयी दिल्ली। बाला देवी और संदेश झिंगन जैसे खिलाड़ियों को यूरोपीय क्लब ट्रांसफर में मदद कर चुके भारत के अनुज किचलू को फीफा फुटबॉल एजेंट कार्यसमूह में चुना गया है जो इसमें शामिल होने वाली इकलौती एशियाई हैं। फीफा ने सोमवार को 18 सदस्यीय कार्यसमूह का ऐलान किया जो क्षेत्र में फुटबॉल एजेंटों की कार्यप्रणाली को लेकर सलाह देगा। इसमें दुनिया भर के पेशेवर हितधारकों के प्रतिनिधि और एजेंट संगठन है जो फुटबॉल एजेंटों से जुड़े मसलों पर स्थायी सलाहकार संगठन होगा। कार्यसमूह में यूरोप और लातिन अमेरिका का वर्चस्व है। कोलकाता से काम करने वाले किचलू स्पेनिश एजेंसी बेस्ट आफ यू (बॉय) के सदस्य हैं और 2012 से फुटबॉल खिलाड़ियों के एजेंट का काम कर रहे हैं। उन्होंने पीटीआई से कहा ,'' फीफा के कार्यसमूह में हमें अपनी सलाह देनी है कि भारत में और इस क्षेत्र में एजेंट कैसे काम करते हैं। कार्यसमूह में अलग अलग क्षेत्रों के लोग हैं और हर तरह के एजेंट है। फीफा सभी से सलाह लेगा।'' किचलू इस समय दो कोचों, छह विदेशी खिलाड़ियों और 45 घरेलू फुटबॉलरों का काम देख रहे हैं।

अमेरिका ने यूक्रेन को दिए ये हथियार तो आ जाएगी न्यूक्लियर तबाही, पुतिन के दोस्त जिनपिंग की सीधी धमकी

हर गुजरते वक्त के साथ रूस और यूक्रेन की जंग और भीषण होती जा रही है। तोप से गोले ही नहीं दागे जा रहे हैं, रूस के रणभूमि में न्यूक्लियर हथियार उतारे जाने का आशंका भी वक्त के साथ प्रबल होती जा रही है। एटमी युद्ध का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। एक साल से जंग लड़ रहे पुतिन किसी भी वक्त परमाणु विस्फोट कर सकते हैं। पुतिन को हर हाल में जीत चाहिए और इससे कम कुछ भी नहीं। लेकिन यूक्रेन हथियार डालने को तैयार ही नहीं नजर आ रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन में डोनेट्स्क का क्षेत्र युद्ध में हॉट स्पॉट बना हुआ है, देश अब पूरे पूर्वी डोनबास क्षेत्र को जब्त करने के उद्देश्य से एक रूसी आक्रमण की तैयारी कर रहा है। वहीं यूक्रेन की तरफ से 24 फरवरी को रूस के भीषण हमले का दावा भी किया जा रहा है। रूस यूक्रेन युद्ध में चीन का क्या काम? : वैसे तो जंग रूस और यूक्रेन के बीच चल रही है लेकिन पुतिन की तरफ से एटमी हमले की धमकी ड्रैगन देता नजर आ रहा है। रूस यूक्रेन का युद्ध परमाणु युद्ध में बदलने जा रहा है। रूस किसी भी वक्त यूक्रेन पर एटम बम दाग सकता है। ये ऐलान पुतिन ने नहीं बल्कि चीन के लाल सुल्तान शी जिनपिंग ने किया है। रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर चीन ने पहली बार जो कुछ कहा है उसने महाविनाश का बिगुल फूंक दिया है। ड्रैगन ने ऐलान कर दिया है कि अगर अमेरिका ने यूक्रेन को लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार दिए तो उसी वक्त न्यूक्लियर तबाही आ जाएगी।

ड्रैगन की एटमी वॉर वाली धमकी : अगर यूक्रेन परास्त नहीं हो रहा है तो इसकी बड़ी वजह अमेरिका और नाटो है। अमेरिका की अगुवाई में नाटो देश लगातार यूक्रेन को सैन्य मदद दे रहे हैं। इन्हीं पश्चिमी हथियारों से यूक्रेन अब तक युद्ध में टिका हुआ है। इस बात से पुतिन इतने गुस्से में है कि कभी भी एटमी हमला कर सर्वनाथ कर सकते हैं। रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर चीन ने जो खौफनाक चेतावनी दी है वो यही ऐलान कर रहा है कि पुतिन बहुत जल्द परमाणु प्रहार करने वाले हैं। चीन के सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्स ने अपने रिपोर्ट में कहा है कि यूक्रेन को अमेरिकी मदद युद्ध को एटमी हमले की ओर धकेल रही है। ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि अगर अमेरिका की अगुवाई में नाटो देश यूक्रेन को इसी तरह लॉन्ग रेंज हथियार सप्लाई करते रहेंगे तो रूस यूक्रेन वॉर निश्चित रूप से नियंत्रण से बाहर हो जाएगा। चीन के सरकारी अखाबर ने कहा कि अगर पश्चिमी देश इसी तरह जंग को भड़काना जारी रखेंगे तो जंग एटमी वॉर में बदल जाएगा।

बैक टू बैक 5 भूकंप से तुर्की में मची तबाही, एक्सपर्ट ने 3 दिन पहले जता दिया था अनुमान

तुर्की और सीरिया में भूकंप से प्रभावित क्षेत्रों में जीवित बचे लोगों की तलाश में बचावकर्मियों ने पूरी रात कड़ी मेहनत की है। वहीं हादसे में जान गंवानेवालों की संख्या 5,000 के करीब पहुंच गई। सोमवार तड़के दोनों देशों में 7.8 तीव्रता का भारी भूकंप आया, जिससे पूरे अपार्टमेंट ब्लॉक गिर गए, अस्पताल बर्बाद हो गए और हजारों लोग घायल या बेघर हो गए। तुर्की में 5वां शक्तिशाली भूकंप का झटका महसूस किया गया है। तुर्की में सोमवार को 7.8, 7.6 और 6.0 तीव्रता के लगातार तीन भूकंप आने के बाद मंगलवार को मध्य तुर्की में 5.9 तीव्रता का एक और भूकंप आया। भारत सहित दर्जनों देशों ने दोनों देशों को सहायता और सहायता देने का वादा किया है।

ये हैं 7 सबसे विनाशकारी भूकंपः 1 मई 1960: चिली के बायो– बायो ये में 9.4 और 9.6 की तेजी के भूकंप आए थे। इसमें 6000 लोगों की जान गई थी।

17 अगस्त 1999: पश्चिमोत्तर तुर्किये में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें समूचे तुर्किये में 17,000 से ज्यादा मौतें हुई थीं। 25 दिसंबर 2004: इंडोनेशिया के सुमात्रा में 9.1 तेजी के भूकंप से सूनामी आई थी। इसके कारण इस भारत समेत 14 देशों में 2. 27 लाख मौतें हुई थीं।

25 अप्रैल 2015: नेपाल में भूकंप में 8,000 से ज्यादा मौतें, बांग्लादेश, भारत, चीन, पाक के क्षेत्र भी प्रभावित हुए थे गुड फ्राइडे 1964: उत्तरी अमेरिका के अलास्का में 9.2 तेजी का भूकंप आया था। इससे निकली सूनामी ने 100 से ज्यादा जानें ली थीं। सुनामी की लहरें अंटार्कटिका तक पहुंची थीं। 26 जनवरी 2001: गुजरात के भुज में आया था। दो सदियों में यह भारत में तीसरा सबसे बड़ा भूकंप था। इसमें 20,000 से ज्यादा जानें गई थीं। हजारों घर नष्ट हुए, लाखों बेघर हुए थे। 11 मार्च 2011: 9 की तीव्रता के भूकंप ने पूर्वोत्तर जापान को हिलाकर रख दिया था। भयानक सूनामी से 120,000 से ज्यादा इमारतें नष्ट हो गई थीं।

तीन दिन पहले जता दिया था अनुमान

डच रिसर्चर फ्रैंक हूगरबीट्स ने तीन दिन पहले ही तुर्किये में आने वाले विनाशकारी भूकंप का अनुमान जताया था। नीदरलैंड्स की सोलर सिस्टम ज्यॉमेट्री सर्वे (ळै) में काम करने वाले हूगरबीट्स ने 3 फरवरी 2023 को ट्वीट किया था, श्जल्दी या कुछ समय बाद में इस क्षेत्र (दक्षिण–मध्य तुर्किये, जॉर्डन, सीरिया, लेबनान) में 7. 5 तीव्रता का भूकंप कहर बरपाएगा। फ्रैंक हूगरबीट्स ने कहा, श्जैसा कि मैंने पहले कहा था जल्द ही या बाद में इस क्षेत्र में विनाशकारी भूकंप आएगा। ये भूकंप हमेशा महत्वपूर्ण ग्रहों की स्थिति में बदलाव से पहले आते हैं, जैसा हमने 4–5 फरवरी को देखा है।श

सानिया और बेथानी ओपन के पहले दौर से बाहर

अबुधाबी। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और अमेरिका की बेथानी माटेक सैंड्स की जोड़ी को अबुधाबी ओपन के पहले दौर में बेल्जियम की क्रिस्टीन फ्लिपकेंस और जर्मनी की लौरा सीजमंड ने हरा दिया। सानिया और माटेक को करीब सवा घंटे तक चले मैच में 3 . 6, 4 . 6 से पराजय झेलनी पड़ी। छह बार की ग्रैंडस्लैम चौम्पियन सानिया 19 फरवरी से शुरू हो रही दुबई टेनिस चौम्पियनशिप के बाद खेल को अलविदा कहने जा रही है। पिछले महीने सानिया और रोहन बोपन्ना आस्ट्रेलियाई ओपन मिश्रित युगल में उपविजेता रहे थे। उन्हें ब्राजील के रफेल मातोस और लुइसा स्टेफानी ने हराया था। वह ग्रैंडस्लैम में सानिया का आखिरी मैच था।

गूगल को उम्मीद, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मामले में 'चौटजीपीटी' पर भारी पड़ेगा 'बार्ड'

न्यूयॉर्क। गूगल 'बार्ड' के जरिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में संवाद कौशल की लड़ाई लड़ने के लिए कमर कस रहा है। 'बार्ड' एक संवाद सेवा है, जिसका लक्ष्य माइक्रोसॉफ्ट द्वारा समर्थित लोकप्रिय चौटबोट 'चौटजीपीटी' को चुनौती देना है। गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचई ने सोमवार को एक ब्लॉग पोस्ट में बताया कि शुरुआत में 'बार्ड' सिर्फ गूगल के 'भरोसेमंद टेस्टर' के एक समूह को उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि साल के अंत तक इसे बड़े पैमाने पर जारी करने की योजना है। गूगल के मुताबिक, उसका 'बार्ड' चौटबोट बाहरी अंतरिक्ष से जुड़ी खोजों सहित अन्य जटिल विषयों को इतनी सरल में बयां करने में सक्षम होगा कि एक बच्चा भी उसे समझ सके। कंपनी का दावा है कि 'बार्ड' पार्टी की तैयारियां करने और फ्रिज में बचे सामान से लजीज पकवान बनाने की विधि सुझाने जैसे कार्य करने में भी सक्षम होगा। 'बार्ड' का नाम विलियम शेक्सपीयर से प्रेरित बताया जा रहा है। हालांकि, पिचई ने ब्लॉगपोस्ट में यह नहीं बताया कि 'बार्ड' शेक्सपीयर सरीखे गद्य लिखने में सक्षम होगा या नहीं। पिचई ने कहा, "बार्ड रचनात्मकता दिखाने का एक मंच और जिज्ञासा को जन्म देने वाला एक लॉन्चपैड साबित हो सकता है।" गूगल ने माइक्रोसॉफ्ट द्वारा 'चौटजीपीटी' का निर्माण करने वाली सैन फ्रांसिस्को की कंपनी 'ओपन एआई' में अरबों डॉलर का निवेश करने का खुलासा करने के दो हफ्ते से भी कम समय के भीतर 'बार्ड' को तैयार किए जाने की जानकारी साझा की है।

आपत्तियों के पेच में उलझी महायोजना

देवरिया। महायोजना 2031 लागू होने के पहले ही आपत्तियों के पेच में उलझ गई है। कंसल्टेंट एजेंसी की लापरवाही के कारण योजना को लागू करने में तीन महीने की देरी हो चुकी है। आपत्तियों के निराकरण और सुझाव पर अमल लेने को लेकर एजेंसी रुचि नहीं दिखा रही है। इस वजह से शहर के विकास की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। जबकि डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने करीब एक माह पहले शासन को पत्र भेज कर एजेंसी की लापरवाही के बारे में बताया था।

विनियमित क्षेत्र की महायोजना–2031 दिसंबर 2022 में ही लागू हो जानी थी। इसकी खामियों को दूर करने के लिए जून माह आपत्तियां और सुझाव मांगे गए थे। करीब 532 लोगों ने अपनी–अपनी बात रखी है। इस पर नवंबर माह के अंतिम सप्ताह में जिलाधिकारी की कमेटी ने आपत्तियों और सुझावों को सुनकर एजेंसी को नए तरीके से मानचित्र सहित अन्य कार्य करने के लिए सौंप दिया। ढाई माह का समय गुजर गया लेकिन अभी तक कंसल्टेंट एजेंसी ने एक कदम कार्य को आगे नहीं बढ़ाया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार एजेंसी ने पूर्वांचल के करीब 10 जनपदों का काम ले रखा है। अधिकतर जनपदों में एजेंसी की लापरवाही सामने आ रही है। हालांकि इस कार्य के लिए एजेसी को मोटी रकम का भुगतान भी किया जा चुका है।

योजना धरातल पर उतरे तो शहर को मिलेंगे दो बाईपास मार्ग: देवरिया। महायोजना में बैतालपुर से रुद्रपुर जाने वाले मार्ग तक और बैतालपुर से कसया मार्ग तक दो बाईपास सड़कों का निर्माण कराया जाना है। साथ ही 34 से अधिक सड़कों का चौड़ीकरण, नए पार्कों, आवासीय कॉलोनियां, व्यावसायिक भवन, औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाना है।पर लेटलतीफ होने के कारण अभी तक यह योजना धरातल पर नहीं उतर पाई है।

नक्शा नहीं हो पा रहा है मंजूर

देवरिया। शहरवासियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सस्टेनेबल डेवलपमेंट (सतत विकास) के अनुरूप महायोजना के प्रारूप को अंतिम रूप देकर तैयार कराया गया है। इसे 4. 50 लाख शहरी आबादी को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसमें साढ़े चार हजार हेक्टेयर भू–क्षेत्र शामिल किया गया है। विकसित क्षेत्र का दायरा बढ़कर इस समय शहर के पास स्थित गांवों तक पहुंच गया है। मास्टर प्लान के दायरे में 71 राजस्व गांव हैं। महायोजना के चक्कर में लोगों को दिक्कतों का सामना करन पड़ रहा है। कई ऐसे क्षेत्र जहां पर, हरित क्षेत्र, व्यवसायिक, गोदाम और अन्य कार्य के लिए भूमि के उपयोग का प्रस्ताव है। इसके कारण पहले से भूमि लेने वालों के भी मानचित्र स्वीकृत नहीं हो रहे है। इस वजह से लोग अपना घर नहीं बना पा रहे है।

बर्खास्त 21 शिक्षकों से होगी 10.50 करोड़ की वसूली

सलेमपुर। कूट रचित प्रमाणपत्रों के आधार पर नौकरी करने वाले तहसील के 21 शिक्षकों से अब वेतन वसूली की प्रकिया शुरू कर दी गई है। डीएम ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के पत्र के आधार पर इन शिक्षकों से 10.50 करोड़ रुपये वसूले जाने का फरमान भेजा है। तहसीलदार वसूली के लिए संबंधित बर्खास्त शिक्षकों को नोटिस भेज रहे हैं। इसको लेकर फर्जी शिक्षकों में हड़कंप मच गया गया है। जिले में फर्जी शिक्षकों की जांच अभियान के दौरान सलेमपुर के 21 शिक्षक फर्जी पाए गए थे। इनको बर्खास्त किए जाने के साथ ही संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज की गई है। कुछ शिक्षकों की गिरफ्तारी हुई तो कुछ अब भी फरार चल रहे हैं। इसी बीच जिलाधिकारी ने वेतन वसूली के लिए भी तहसीलदार को आरसी भेज दी है। इसमें सोहनाग रोड निवासी राम लखन से 63.86 लाख, ठाकुरनगर वार्ड के राम भरोसे से 87.60 लाख, सलाहाबाद वार्ड निवासी वीणारानी से 72.69 लाख, टीचर्स कालोनी के सुशील कुमार सिंह से 48.24 लाख, हरैया के आलोक कुमार से 11.90 लाख व गौरव कुमार से 10.37 लाख, कपरीपार की स्वाती तिवारी से 37.65 लाख, विराजमार के वेद प्रकाश तिवारी से 22. 62 लाख, बरडीहा गांव के गुलाब चंद्र से 22.62 लाख, बरसीपार के राजेश कुमार से 34.79 लाख रुपये वसूले जाने हैं। वहीं डुमवलिया गांव के दीनानाथ तिवारी से 85.17 लाख, बभनौली पांडेय के बृजानंद यादव से 54.15 लाख, कसिली की रीता मिश्रा से 77.51 लाख, बरसीपार की रेनुबाला से 63.86 लाख, नोनापार की प्रियंका से 46.50 लाख, रेवली के हरेंद्र यादव से 96 लाख, मझवलिया गांव के बृंदालाल गौतम से 54. 42 लाख, रंगौली के चंद्रभूषण यादव से 43.50 लाख, बतरौली के सरोज यादव से 37.93 लाख, भागलपुर के संजय कुमार से 68.50 लाख, तिवारीपुर के अभिषेक तिवारी से 9.65 लाख रुपये वसूल किए जाने हैं। अमीन बर्खास्त शिक्षकों को वसूली का नोटिस भेज रहे हैं।

बजट उपलब्ध, फिर भी अधूरे हैं पंचायत भवन

संतकबीरनगर। बजट उपलब्ध होने के बावजूद जिले की दो ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन का निर्माण पूर्ण नहीं कराया जा रहा है। निदेशक पंचायती राज ने साप्ताहिक वीडियो कांफ्रेंसिंग में इस पर नाराजगी जाहिर की है। कार्य में रुचि नहीं लेने की वजह से जिला अक्रियाशील जनपदों की श्रेणी में आ गया है। डीपीआरओ ने दोनों ग्राम पंचायतों के ग्राम विकास अधिकारियों का वेतन निर्माण कार्य पूर्ण होने तक रोक दिया है। डीपीआरओ राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि विकास खंड खलीलाबाद के चंदहर में पंचायत भवन का निर्माण पूरा नहीं हो पाया है। ग्राम विकास अधिकारी कमलेश पति त्रिपाठी को भवन निर्माण पूर्ण कराते हुए एमबी, उपभोग प्रमाणपत्र तथा फोटोग्राफ प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। बार–बार दूरभाष पर निर्देश देने के बाद भी ग्राम विकास अधिकारी ने रुचि नहीं ली। इस ग्राम पंचायत को आवंटित 6,98,400 रुपये व्यय नहीं हुए, जबकि बजट आए छह माह का समय बीत गया है। इससे स्पष्ट है कि निर्माण कार्य नहीं कराया जा रहा है। डीपीआरओ ने बताया कि यही स्थिति बघौली ब्लॉक के चंदनी गांव में है। इस ग्राम पंचायत को आवंटित धनराशि 7,20012 रुपये व्यय नहीं हुए, जबकि बजट आए छह माह का समय गुजर गया है। यहां भी पंचायत भवन का निर्माण अधूरा है। यहां के ग्राम विकास अधिकारी अनिल कुमार को बार–बार निर्देश दिए जा रहे हैं, लेकिन वह कार्य में रुचि नहीं ले रहे हैं। इन दोनों ग्राम पंचयायतों के ग्राम विकास अधिकारी का वेतन निर्माण कार्य पूर्ण होने तक बाधित कर दिया गया है।

सुहागरात के दिन पति को छोड़ प्रेमी संग फरार हुई दुल्हन, मचा हड़कंप

देवरिया। देवरिया जिले के तरकुलवा थानाक्षेत्र के एक गांव में शादी के बाद ससुराल पहुंची दुल्हन सुहागरात के दिन ही पति को छोड़कर प्रेमी के संग फरार हो गई। काफी देर तक पति बाहर रिश्तेदारों से बात करके जब कमरे में गया तो पत्नी को नदारद पाकर परिजनों को सूचना दी। घरवालों ने देर रात तक खोजबीन की मगर दुल्हन का कोई पता नहीं चला। अंत में थक–हार कर परिजनों ने मायके वालों को सूचना दी। पति ने थाने में पहुंचकर पुलिस से गुहार लगाई है। तरकुलवा थानाक्षेत्र के एक गांव में पहली फरवरी को कुशीनगर जनपद के पटहेरवा थानाक्षेत्र के एक गांव से बरात आई थी। धूमधाम से शादी भी हुई। दो फरवरी को दुल्हन विदा होकर ससुराल चली गई। सुहागरात के दिन पति रिश्तेदारों से बात करने में मशगूल था। इधर पत्नी, प्रेमी के साथ नौ दो ग्यारह हो गई। जब पति वापस अपने कमरे में गया तो दुल्हन को न पाकर हक्का–बक्का रह गया। बताते हैं कि दुल्हन ने गांव के ही प्रेमी को पहले से बुलाया था। उधर, गांव वालों का कहना था कि एक युवक मोटरसाइकिल पर महिला को बैठाकर ले जा रहा था। लड़की की ससुराल वालों ने पूरी खोजबीन कर ली तो यह सूचना उसके मायके वालों को दी। दोनों परिवारों ने मिलकर पुलिस से दुल्हन की तलाश करने की तहरीर दी। स्थानीय पुलिस ने मामला दूसरे थाना क्षेत्र का होने के नाते समझा–बुझाकर दोनों परिजनों को वापस पटहेरवा थाने भेज दिया। इस संबंध में थाना प्रभारी दिनेश कुमार मिश्रा ने बताया कि लड़के पक्ष के लोग आए थे मगर घटना पटहेरवा की थी तो वे वापस चले गए।

खेत के पास अधेड़ का शव मिला, हत्या की आशंका

महराजगंज। सदर कोतवाली थाना क्षेत्र के धनेवा–धनेई निवासी अखिलानंद पांडेय (55) का शव सुकठिया पोखरे के दक्षिण तरफ खेत के पास मिला। मृतक के सिर व चेहरे पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे परिजनों ने उनकी हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। मृतक के भाई व पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर निवासी सच्चिदानंद पांडेय के मुताबिक उनके छोटे भाई किसान अखिलानंद शाम सात बजे घर से 15 हजार रुपये लेकर बाइक से निकले। देर रात तक घर न लौटने पर उनका फोन कई बार मिलाया गया मगर मोबाइल स्वीच ऑफ मिला। सुबह तक घर न आने पर अन्य लोगों के साथ फिर उनकी खोज शुरू हुई तो सुकठिया पोखरे के दक्षिण तरफ खूबलाल के खेत व चकमार्ग के पास उसका शव मिला। शव को देखने से लग रहा था कि चेहरे व सिर पर किसी धारदार हथियार व ईंट से प्रहार किया गया है। प्रभारी निरीक्षक रवि राय ने बताया कि मामले में अज्ञात के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज किया गया है। घटनास्थल पर शराब की बोतल पाई गई है। एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, गठित की टीम: पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने भी घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति को देखा तथा पर्दाफाश के लिए तीन टीम का गठन किया। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा है। पुलिस को घटना स्थल से कुछ अहम सुराग भी हाथ लगे हैं। खुलासे के लिए सदर कोतवाली व एसओजी टीम लगी है। इसके साथ ही दो अन्य टीमों को भी लगाया गया है।

ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट–2023 छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

महराजगंज। ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट–2023 छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन जवाहरलाल नेहरू पीजी कॉलेज महराजगंज के सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व एम्स गोरखपुर की कार्यकारी समिति के अध्यक्ष श्री देश दीपक वर्मा (सेवानिवृत्त आईएस) ने उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश भर से बेहद सफलतापूर्वक निवेश आकर्षित किया जा रहा है। उन्होने बताया कि आज प्रदेश में निवेश लक्ष्य को घटाने के बजाय बढ़ाना पड़ रहा है। इसका परिणाम है कि जो लक्ष्य पूर्व में 10 लाख करोड़ रखा गया था, आज वह बढ़कर 25 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच गया है। उन्होंने महराजगंज को भी सफल ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट के लिए बधाई दिया और आशा व्यक्त की जनपद शीघ्र ही प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक जिलों में शामिल होगा। मुख्य अतिथि ने कहा कि पूर्व में शिक्षा पद्धति सरकारी नौकरी उन्मुख थी। आज सरकार इस स्थिति को बदलने का प्रयास कर रही है। सरकार का लक्ष्य युवाओं में अपने स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना है, ताकि युवा नौकरी खोजने के बजाय नौकरी देने में सक्षम हो सकें। उन्होने कहा कि हमे मैकाले की शिक्षा पद्धति से निकलने की आवश्यकता है, ताकि हमारे युवा बाबू बनने की सोच से निकल सकें। उत्तर प्रदेश इस दिशा में शानदार प्रयास कर रहा है। वर्तमान सरकार ने 25 क्षेत्रों में नई औद्योगिक नीति लेकर आयी है, जिससे उद्योग लगाना काफी आसान हो गया है। इससे निश्चित रूप से प्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। हमारे युवाओं को पारंपरिक शिक्षा से अलग हटकर खुद के कौशल विकास द्वारा नए अवसरों के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। यदि वे ऐसा कर पाते हैं तो उन्हें नियोक्ताओं के पीछे नहीं दौड़ना होगा, बल्कि नियोक्ता उनके पीछे दौड़ेंगे। एम्स गोरखपुर का उदाहरण देते हुए मुख्य अतिथि ने बताया कि जब एम्स में सामान्य पदों के लिए भर्ती निकाली जाती है तो आवेदनों की भरमार होती है लेकिन जब नर्स य्या किसी अन्य विशेष कौशलयुक्त पद की भर्ती निकाली जाती है, तो अभ्यर्थी कम पड़ जाते हैं। इसलिए जरूरत स्किल डेवलपमेन्ट की है। उन्होंने कहा कि विदेशों में स्वरोजगार को काफी सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। यही कारण है कि अच्छे पदों पर लंबे समय तक काम करने के बावजूद बड़ी संख्या में लोग अपने स्टार्टअप्स खोलते हैं। सरकार स्वयं को व्यापार से निकाल रही हैं और भविष्य निजी क्षेत्र आधारित अर्थव्यवस्था का है, जिसमे स्टार्टअप की भूमिका बेहद अहम है। इसलिए युवाओं के पास असीम संभावनाएं हैं। आवश्यकता उनका लाभ उठाने की है। उन्होंने अंत मे युवाओं से कहा कि वर्तमान सरकार ने उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण का निर्माण किया है। आप लोग भी इसके लिए खुद को तैयार कीजिए। इसके बाद मा. मुख्यमंत्री उ. प्र. का उद्यमियों व निवेशकों के नाम वीडियो संदेश और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इससे पूर्व ए. सी.ई.ओ. गीडा जे.पी. गुप्ता व क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार सिंह ने भी उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के संदर्भ में किये गए प्रयासों और उसमें मिली सफलता का उल्लेख किया। दोनों वक्ताओं ने युवाओं को देश की प्रगति में भागीदार बनने और स्वरोजगार को अपनाने पर जोर दिया। मुख्य विकास अधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए, जनपद में ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट के तहत प्राप्त उपलब्धियों से अवगत कराया और कहा कि अपना उद्यम लगाने और उसके सफल होने पर जो संतोष प्राप्त होता है, उसको शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। नौकरी के अपने लाभ हैं, लेकिन वे सीमित हैं, जबकि अपना उद्यम शुरू करने में असीम संभावना है। एक उद्यमी अपने विकास के साथ–साथ पूरे समाज और देश के विकास में योगदान देता है।अतिथियों का स्वागत प्राचार्य दिग्विजयनाथ पांडेय ने किया। उन्होंने कार्यक्रम के समाप्ति पर सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर उनको धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रशान्त पांडेय ने किया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मो. जशीम, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी और महाविद्यालय के शिक्षकगण व छात्रछात्राएं उपस्थित रहीं।

कुशीनगर जिले की सीमा पर प्रभारी मंत्री सतीश चन्द्र शर्मा का हुआ जोरदार स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सुकरौली बाजार,कुशीनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य एवं रसद

मंत्री तथा कुशीनगर जिले के नव नियुक्त प्रभारी मंत्री सतीश चन्द्र शर्मा के कुशीनगर जनपद मे प्रथम आगमन पर 15 मिल चौराहे पर जनपद के सीमा पर आज भारतीय जनता पार्टी गोरखपुर क्षेत्र के पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीभागवत चौहान के नेतृत्व मे गाजे–बाजे के योगी, मोदी, सतीश चन्द्र शर्मा, मोहन वर्मा, भारतीय जनता पार्टी जिन्दाबाद, जिन्दाबाद के गगनभेदी नारो के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ ने किया जोरदार स्वागत। स्वागत करने वालो मे प्रमुख रूप से पूर्व विधायक रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, भाजपा जिलामंत्री बाबूनन्दन सिंह, भाजपा के बरिष्ठ नेता ऋषि तिवारी, पिपराईच केन यूनियन के चेयरमैन व भाजपा के बरिष्ठ नेता सत्येन्द्र कुमार सिह, भारतीय राजभर संगठन के राष्ट्रीय महासचिव, बरिष्ठ भाजपा नेता एवं सुकरौली पूर्व ग्राम प्रधान, नगर पंचायत सुकरौली चेयरमैन पद के प्रत्याशी अशोक कुमार पत्रकार, साबित्रि हास्पीटल के प्रबन्धक रबिश सिंह, सुकरौली के प्रमुख प्रतिनिधि महेन्द्र पासवान, पूर्व प्रधान रामसमुझ पासवान, नगर पंचायत सुकरौली के चुनाव संयोजक रामप्रवेश कश्यप, विकास तिवारी, रामनक्षत्र सिह, विनोद सिह, रामअशीष चौहान, अवधेश सिह, अमन सिह, राजेन्द्र कुमार उर्फ राजा बाबू, जितेन्द्र कुमार, राहुल सिंह, धमेन्द्र गुप्ता, जयश्रीराम, रत्नाकर, संजीव जायसवाल, बरूण जायसवाल, लल्लन यादव, अर्जून मद्धेशिया, आदि प्रमुख लोगो ने प्रदेश सरकार के खाद्य एवं रसद मंत्री माननीय सतीश चन्द्र शर्मा, का फूल मालाओं से लादकर जोरदार स्वागत स्वागत किया। स्वागत से काफी अभीभूत होकर प्रदेश एवं केन्द्र सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का आमजन मे प्रसार कर मोदी एवं योगी के हाथों को करे मजबूत।

पुस्तक पास जब से तुम नहीं के कवर पृष्ठ का हुआ विमोचन

बड़हलगंज। क्षेत्र के सिधुआपार गांव निवासी युवा कवि निर्भय निनाद के पुस्तक पास जब से तुम नहीं के कवर पृष्ठ अनावरण मदरिया सिद्धपीठ के उत्तराधिकारी श्रीशदास महाराज एवं डा. प्रवीण तिवारी के हाथों द्वारा मदरिया मंदिर के प्रांगण में किया गया। निर्भय एक सशक्त युवा रचनाकार हैं। जो अपनी रचनाओं से समाज में अपना अलग स्थान रखते हैं। बताया कि यह पुस्तक उनके

जीवन की पहली पुस्तक है। पुस्तक में सभी प्रकार के गीत संग्रहित हैं किंतु मूलतः श्रृंगार के गीत अधिक है। प्रणव द्विवेदी, मूलचन्द जायसवाल, आचार्य ईश्वर पाण्डेय, सर्वेश दुबे, प्रदीप मिश्रा, आचार्य रामूमणि त्रिपाठी मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

महराजगंज। जनपद में संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर निर्माण की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश दिया गया। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण हेतु स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को उपलब्ध कराने के लिए कहा। उन्होंने फैसिलिटी ब्रांडिंग के तहत स्वास्थ्य केंद्रों के मरम्मत में विलंब पर कार्यदायी संस्था सीएनडीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर को भी स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश दिया। कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों के निर्माण की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी महोदय ने परतावल, गड़ौरा और बसडीला में निर्माण में विलंब पर परियोजना प्रबंधक, यूपीपीसीएल को स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। यूपीसीडको द्वारा बनाये जा रहे बेसिक शिक्षा विद्यालयों के भवनों की प्रगति के दौरान 12 में से 11 विद्यालयों के हैंडओवर की प्रक्रिया में होने की बात बतायी गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने हैंडओवर की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने का निर्देश बेसिक शिक्षा विभाग को दिया। सीएलडीएफ को सभी 17 परियोजनाओं को मार्च तक पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने एकीकृत ग्राम विकास में विभिन्न परियोजनाओं के प्रगति की जानकारी लेते हुए, तकनीकी समिति से आख्या प्राप्त कर अगली किश्त कार्यदायी संस्था को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डीएसटीओ अजय कुमार श्रीवास्तव, जिला कृषि अधिकारी वीरेंद्र कुमार, अधिशासी अभियंता कुंवर सुरेंद्र बहादुर, जिला समाज कल्याण अधिकारी शंकरलाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर चोरी कर चोरों ने दी पुलिस को चुनौती

कप्तानगंज,कुशीनगर। आज दिनांक 7 फरवरी दिन मंगलवार को दोपहर 12.00 बजे के करीब रामकोला त्रिवेणी चीनी मिल से पड़ाव के चौथी लाइन मे खड़ी मेस्सी ट्रैक्टर को चोरों ने चोरी को अंजाम दिया। बताते चलें कि ट्रैक्टर रामपुर बगहा निवासी राम बिहारी यादव की थी,राम बिहारी गन्ना गिराने के लिए अपनी मेस्सी ट्रैक्टर से रामकोला चीनी मिल मे ले गये थे। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर लाइन में खड़ी करके नाश्ता पानी करने गए थे। जब वे अपने ट्रैक्टर के पास आए तो ट्रैक्टर उनका गायब था। मौके पर उन्होंने पास लगे सीसीटीवी फुटेज चेक करवाएं जिसमें चोर ट्रैक्टर को चोरी करने का अंजाम दिखाई देते नजर आ रहे हैं। जबकि चोरों का चेहरा कैमरे में साफ नजर नहीं आ रहा है। राम बिहारी ने रामकोला थाने मे इसकी सूचना दे दी है।

8 से 28 फरवरी तक व्यापार मण्डल व्यापारियो के प्रतिष्ठान" कार्यक्रम का होगा आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

राबर्ट्सगंज,सोनभद्र। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर मनाया जा रहे हैं स्वर्ण जयंती वर्ष पर पूरे प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत सोनभद्र जनपद में भी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है इसी को लेकर मंगलवार को उद्योग व्यापार मंडल के संगठन मंत्री अजीत जायसवाल के सिविल लाइन रोड स्थित आवास पर संगठन के जिला अध्यक्ष राजेश गुप्ता की अध्यक्षता में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के विषय में पत्रकारों से चर्चा की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा संगठन के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों के निर्देश के क्रम में 8 फरवरी से 28 फरवरी 2023 तक उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल द्वारा "व्यापार मण्डल व्यापारियो के प्रतिष्ठान" कार्यक्रम का आयोजन करेगी। इस कार्यक्रम के तहत जिले के सभी नगर, तहसील, कस्बे की बाजार इकाईयों में व्यापार मंडल के पदाधिकारी जाकर व्यापारियों से सम्पर्क करेंगे और उनको उ.प्र. उद्योग व्यापार मण्डल की 50 वर्ष की गौरवपूर्ण उपलब्धियों से अवगत कराते हुए व्यापार मण्डल के साथ जोड़ने का कार्य करेंगे। जिला अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहां कि व्यापारियों को संगठन के द्वारा चल रहे इस अभियान से जुड़ने के लिए संगठन के मोबाइल नंबर 7030930381 पर मिस्ड कॉल के माध्यम से भी जोड़ने का भी कार्य करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि 13 मार्च 2023 से सहारनपुर से व्यापारी स्वाभिमान रथ यात्रा निकाली जाएगी जो पूरे प्रदेश में भ्रमण करेगी। और इस यात्रा का आगमन जिले में 5 अप्रैल 2023 को होगा जो जिले के रॉबर्ट्सगंज, चोपन, डाला एवं दुद्धी में भ्रमण करेगी। इस यात्रा में एक डिजिटल रथ व सुझाव पेटी भी होगी। जिसमे आम व्यापारी अपनी समस्याओं से संगठन को अवगत कराने का काम करेगा। जिन समस्याओं को व्यापार मण्डल केन्द्र व प्रदेश सरकार के मंत्रियो के माध्यम से समाधान कराने का कार्य करेगा। राजेश गुप्ता ने आगे कहा कि इस यात्रा का जिले मे भव्य स्वागत सम्मान किया जायेगा और जिले के प्रमुख वरिष्ठ व्यापारियों व समाज सेवियो को जिला इकाई द्वारा सम्मानित भी किया जायेगा। प्रेस वार्ता के दौरान व्यापार मंडल के जिला महामंत्री राजेश बंसल, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह चंदेल, संगठन मंत्री अजीत जायसवाल, युवा जिला अध्यक्ष रमेश जायसवाल, नगर अध्यक्ष आनंद प्रताप, जिला प्रवक्ता प्रकाश केसरी, अंशु अग्रहरि, युवा जिला उपाध्यक्ष आनंद गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

■ उ0 प्र0 उद्योग व्यापार मंडल ने की प्रेस वार्ता
■ प्रेस वार्ता में जिले में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

प्रभारी मंत्री का आगमन आज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। उ0प्र0 सरकार के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभारध्जनपद प्रभारी मंत्री रविन्द्र जायसवाल का आगमन दिनांक–08.02.2023 को जनपद में आगमन हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित बजट पर संगोष्ठी में 12.00 बजे आर0एस ग्रैण्ड होटल सिविल लाइन्स रोड, राबर्ट्सगंज में प्रतिभाग करेंगे। दोपहर 01.00 बजे आर0एस0 ग्रैण्ड होटल में पत्रकार वार्ता करेंगे। इस आशय की जानकारी भाजपा जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी ने दी।

ओबरा पुलिस ने 15 वर्षीय गुमशुदा बालक को किया बरामद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पतिराज सिंह पुत्र स्व0 जयलाल सिंह निवासी ग्राम झरकटिया पोस्ट सूडा थाना चितरंगी जिला सिंगरौली (म0प्र0) द्वारा थाना ओबरा पर तहरीर दी गई थी कि मेरा पुत्र श्याम बिहारी सिंह पुत्र पतिराज निवासी उपरोक्त उम्र करीब 15 वर्ष जो अपने घर से पिकप वाहन सें ओबरा बाजार आया था तथा यही से गायब हो गया है। जिसके सम्बन्ध मे थाना ओबरा पर मु0अ0सं0 183ध्22 धारा 363 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर गुमशुदा को ढूढने का प्रयास किया जा रहा था । इसी प्रयास के क्रम में थाना ओबरा पुलिस द्वारा अथक प्रयास कर गुमशुदा बालक को जनपद शामली से बरामद कर सकुशल परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। गुमशुदा बच्चे को सकुशल वापस पाकर बच्चे के परिजनों एवं आमजनमानस द्वारा पुलिस टीम की भूरि–भूरि प्रशंसा की गयी। उक्त बच्चे की बरामदगी कर उसके परिजनों को सकुशल सुपुर्द करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक ओबरा मिथिलेश मिश्रा, उ0नि0 अमित कुमार त्रिपाठी, हे0का0 इमरान खाँ, हे0का0 हेमन्त बारी शामिल रहें।

तुलसीपुर क्रिकेट मैच का सेमीफाइनल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

तुलसीपुर,बलरामपुर। नॉट आउट चौलेंज कप मंडल स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट 2023 सीजन 2 स्वतंत्र भारत इंटर कॉलेज

आयोजित हुआ जिसका आज सेमीफाइनल मैच खेला गया लीजेंड क्लब तुलसीपुर तथा गूगल मेंसवेयर के बीच खेला गया रोचक मुकाबले में लीजेंट ने टास जीतकर बैटिंग किया जिसमें 140 रन बनाए वहीं गूगल मेंस वियर के खिलाड़ी अदन निहाल के 20 बॉल में 15 छक्के और तीन चौकों की मदद से बहुत ही आसानी से7 विकेट से मैच जीत लिया और फाइनल में प्रवेश किया मेंसवेयर के अदन निहाल को मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया इस मैच के अंपायर सलमान शाह तथा व दूध अंसारी ने सफल अंपायरिंग की पहले मैच में गौरव शर्मा ने एक ही ओवर में 4 विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाने में सहयोग किया सेमीफाइनल का दूसरा मैच हरियाली करब बलरामपुर और आसिफ अली 1 तुलसीपुर के बीच खेला गया. जिसमें आसिफ 11ने मैंच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया आसिफ 11 के मैन ऑफ दा मैच रवी रहें। फाइनल मैच 8ता को इसी मैदान में खेला जायेगा।

ललई हत्याकांड में हत्या के दोषी गुड्डू को उम्रकैद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। साढ़े 16 वर्ष पूर्व हुए ललई हत्याकांड के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय सोनभद्र राहुल मिश्रा की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए दोष सिद्ध पाकर दोषी गुड्डू को उम्रकैद एवं 20 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं तीन महिला आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली गांव निवासी राजबहादुर पुत्र ललई प्रसाद ने 17 अप्रैल 2006 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को दिए लिखित प्रार्थना पत्र में अवगत कराया था कि 16 अप्रैल 2006 को शाम 4 बजे उसके पिता ललई प्रसाद को बिल्ली गजराजनगर निवासी गुड्डू, उसकी पत्नी, उसकी मां,उसका मामा व एक अन्य व्यक्ति ने लाठी, डंडे, सबल से मारा जिससे गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनकी 17 अप्रैल 2006 को मौत हो गई। इसकी सूचना थाने में दी गई, लेकिन पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर गुड्डू पुत्र रामप्यारे समेत पांच लोगों के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी गुड्डू को उम्रकैद एवं 20 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं तीन महिला आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करार दिया। अभियोजन पक्ष की तरफ से ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी विजय प्रकाश यादव ने बहस की।

तत्कालीन ओबरा एसओ रहे दिवाकर सिंह के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने का एसपी को आदेश

कोर्ट ने माना ओबरा पुलिस की लापरवाही से हुई थी ललई प्रसाद की मौत

सोनभद्र। साढ़े 16 वर्ष पूर्व ओबरा थाने में हुई ललई प्रसाद की मौत के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय राहुल मिश्रा की अदालत ने ओबरा पुलिस की लापरवाही मानते हुए तत्कालीन ओबरा एसओ रहे दिवाकर सिंह के विरुद्ध आईपीसी की धारा 304 क के तहत एफआईआर दर्ज कराने का आदेश सोनभद्र एसपी को दिया है। बता दें कि 16 अप्रैल 2006 को शाम 4 बजे ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली गांव निवासी ललई प्रसाद को बिल्ली गजराजनगर निवासी गुड्डू अपने घर के लोगों के साथ लाठी, डंडे व सबल से मारपीट कर घायल कर दिया। जब ललई प्रसाद के बेटे राजबहादुर ने ओबरा थाने पर घटना की सूचना दिया तो ओबरा के तत्कालीन एसओ रहे दिवाकर सिंह ने उल्टा ही उसके पिता ललई प्रसाद को थाने पर बैठा लिया। दवा इलाज के लिए आग्रह करता रहा, लेकिन एसओ ने एक न सुनी। बल्कि गाली देकर भगा दिया। जिसका नतीजा हुआ कि उसके पिता ललई प्रसाद की इलाज के अभाव में 17 अप्रैल 2006 को मौत हो गई। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने गवाहों राजबहादुर, छोटी, राजपति के बयान का अवलोकन करते हुए माना कि तत्कालीन ओबरा एसओ रहे दिवाकर सिंह ने अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं किया है। अभियुक्तगणों को थाने पर बुलाकर छोड़ दिए जाने और प्राणघातक चोट लगने के बावजूद ललई प्रसाद का दवा इलाज नहीं कराने के चलते मौत हुई है। इस मामले में कोर्ट ने तत्कालीन ओबरा एसओ रहे दिवाकर सिंह के विरुद्ध आईपीसी की धारा 304 क के तहत एफआईआर दर्ज कराने का आदेश एसपी सोनभद्र को दिया है।

किसान मोर्चा के नेताओं ने किसानों की समस्याओं से कराया अवगत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमा/सोनभद्र। भाजपा किसान मोर्चा सोनभद्र के जिला अध्यक्ष यादवेन्द्र द्विवेदी, उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्र महामंत्री नार

सिंह पटेल अनिल सिंह किसान मोर्चा के मीडिया प्रभारी अभय कान्त दुबे और किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने दो दिवसीय जनपद भ्रमण पर आये उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक से मुलाकात कर किसानो की समस्या से अवगत कराया। जो किसान समिति और बैंक से कर्ज लेकर खेती किये थे पानी के अभाव में धान की फसल खराब हो गई थी किसान ने फसल का बीमा कराया था। लेकिन बीमा कम्पनी को अवगत कराने के बाद भी आज तक उसका लाभ किसानों को नहीं मिला। बिमीत किसानो को बीमा कम्पनी के व्दारा बीमा का भुगतान कराया जाय। और सोन लिफ्ट का पानी ध ानरौल बाध में छोड़ कर बांध को हमेशा भरा जाय और खेती के समय नहर खोली जाय। किसानों को तब इसका लाभ मिलेगा उप मुख्यमंत्री का ध्यान इन समस्याओं पर आकर्षित कराया।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर अधिवक्ताओं ने की आवाज बुलंद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। यूपी बार काउंसिल के आह्वान पर मंगलवार को सोनभद्र के अधिवक्ताओं ने राबर्ट्सगंज

■ बार भवन के समक्ष 6 सूत्री मांगों को लेकर अनशन पर बैठे वकील

कचहरी परिसर का चक्रमण करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद बारी बारी से अधिवक्ता क्रमिक अनशन पर बैठकर विरोध जताया। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के अधिवक्ताओं ने अध्यक्ष रामचंद्र सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में कचहरी परिसर में क्रमिक अनशन बारी बारी से किया। 6 सूत्री मांगों में अधिवक्ताओं के लिए पचास हजार का मुफ्त चिकित्सा बीमा कराया जाए, उत्तर प्रदेश अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति लखनऊ मृतक अधिवक्ताओं के लंबित दावों को अविलंब निपटाया जाए, सभी जिलों में अधिवक्ताओं को चौबर का निर्माण कराया जाए, अधिवक्ता एवं पत्रकार की मृत्यु पर एक समान धनराशि दिया जाए, 60 वर्ष से अधिक के अधिवक्ताओं को पेशन दिया जाए एवम् एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को लागू किया जाए। इस अवसर पर राजबहादुर सिंह, मनोज कुमार पांडेय, वीपी सिंह, विश्राम सिंह, पवन कुमार सिंह, महेंद्र प्रताप सिंह, फुल सिंह, अशोक कुमार कनौजिया, सुरेश कुमार सिंह, केके त्रिपाठी, सुरेश पाठक आदि लोग उपस्थित रहे। उधर सोनभद्र बार एसोसिएशन अध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक के नेतृत्व में वकीलों ने कचहरी परिसर का चक्रमण कर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर महामंत्री आनंद कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्रा, गोविंद मिश्र, अखिलेश कुमार मिश्र, राजीव कुमार सिंह गौतम, दिनेश दत्त पाठक, शारदा प्रसाद मौर्य आदि शामिल रहे।

उप मुख्यमंत्री ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमा/सोनभद्र। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने दिनांक 07

फरवरी को केकराही ग्राम पंचायत के पंचायत भवन, पूर्व माध्यमिक विद्यालय एवम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। भाजपा मंडल महामंत्री मनीष मिश्र ने उप मुख्यमंत्री को केकराही के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पुराने भवन जो जीर्ण शीर्ण अवस्था में पड़े हुए हैं, जिसमे वारिश के समय पानी टपकता रहता है, मरीजों के भर्ती के लिए अस्थाई सीमेंट सेड का हाल व मीटिंग हाल बना हुआ है को सुधार कराने एवम टूटी हुई चहार दिवारी के निर्माण हेतु ध्यान आकृष्ट कराया। उप मुख्यमंत्री ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी को व्यवस्था सुधार के लिए निर्देश दिया। उप मुख्यमंत्री के चले जाने के बाद जिलाधिकारी ने पुनः असपताल का निरीक्षण कर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा राम कुमार को निर्देशित करते हुए दो दिन में रिपोर्ट तैयार कर आवश्यकता अनुरुप मांग पत्र प्रेषित करने के लिए कहा।जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि दयनीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति सुध ाार के लिए बहुत जल्द कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया गया, जहां पेय जल, मध्यान्ह भोजन की हकीकत जानी, बच्चों से प्रश्न पूछकर शिक्षा की हकीकत जानी, बच्चों ने निर्भीक होकर सभी प्रश्नों का उत्तर दिया, उप मुख्यमंत्री मंत्री ने बच्चो के उत्तर से प्रसन्नता जाहिर करते हुए ताली बजाकर उत्साह वर्धन किया।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

ब्रेकअप के बाद न करें ये गलतियां, बंद हो सकते हैं पैचअप के दरवाजे

प्यार और मनमुटाव होना रिलेशनशिप का प्रमुख हिस्सा हैं जिसमें रूठना–मनाना चलता ही रहता हैं। लेकिन कई बार दोनों के बीच की लड़ाई बढ़ते हुए ब्रेकअप तक पहुंच जाती हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं हैं कि आपका पैचअप नहीं हो सकता हैं। कई बार अलग होने के बाद अहसास होता हैं कि आप एक–दूसरे के बिना नहीं रह सकते। ऐसे में ब्रेकअप के बाद भी आपको अपने हर कदम पर सावधानी बरतने की जरूरत हैं। आज इस कड़ी में हम आपको उन गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो लोग अक्सर ब्रेकअप के बाद कर बैठते हैं और इनकी वजह से पैचअप के दरवाजे भी बंद हो जाते हैं। आइये जानते हैं इन गलतियों के बारे में...

बार–बार कॉल करना

ब्रेकअप होने के बाद भी ज्यादातर लोग अपने एक्स से बार–बार कनेक्ट होने की कोशिश करते हैं। हो सकता है कि आपकी ये कोशिश काम कर जाए, लेकिन ये तरह की गलती भी साबित हो सकती है। बार–बार कॉल या मैसेज करने से सामने वाला इंसान आपसे चिढ़ सकता है। हो सकता है कि ये तरीका आप दोनों में बहस को और बढ़ा दे। ब्रेकअप के बाद एक–दूसरे को पर्सनल स्पेस देना बहुत जरूरी होता है।

सोशल मीडिया से ब्रेकअप की बात शेयर न करें

आजकल के सोशल मीडिया के जमाने में लोगों को हर चीज सोशल प्लेटफॉर्म पर अपडेट करने का शौक होता है। अब चाहे वह बीमार होने का अपडेट हो या फिर कोई नई चीज खरीदने का। ऐसे में अगर किसी का ब्रेकअप हुआ है और वो सोशल मीडिया पर इस बात को जगजाहिर करेगा तो काफी गलत असर होगा। हमेशा याद रखें, कभी भी ब्रेकअप के बारे में सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट न करें। अपनी पर्सनल लाइफ को अपने तक ही रखें।

तुरंत रिलेशनशिप में आना: कई बार लोग ब्रेकअप के तुरंत बाद किसी अन्य के साथ रिलेशनशिप में आ जाते हैं। ये एक तरह की गलती होती है, जो आपके पुराने साथी के साथ पैचअप न होने की सिचुएशन पैदा कर देती है। आपका ये कदम आपके एक्स को दुख पहुंचा सकता है और इस कारण पैचअप की गुंजाइश पूरी तरह खत्म हो सकती है। ब्रेकअप के बाद खुद को थोड़ा समय दे, हो सकता है कि आप फिर से अपने एक्स से कनेक्ट हो जाएं।

ब्रेकअप का कारण जानें

कई बार ब्रेकअप किसी गलतफहमी या ईगो के कारण हो जाता है। अगर रिश्ते में किसी गलतफहमी ने जगह ली है, तो उसे दूर करने की कोशिश करें। अगर हो सके तो इस बारें में पार्टनर की किसी विश्वास पात्र से बात भी करा सकते हैं। वहीं अगर आपकी ईगो के कारण ब्रेकअप हुआ है, तो ईगो को शांत करके ही बात करें। रिश्तों में ईगो को कतई जगह न दें। रिश्ते को लेकर अगर आपको कोई बात परेशान करती है, तो शांत मन से पार्टनर से बात करें।

अपशब्द न बोलें: कई बार लड़के–लड़की गुस्से में आकर ऐसी बातें बोल जाते हैं, जिससे सामने वाले को काफी ठेस पहुंच सकती है। कभी भी ब्रेकअप के समय कुछ अपशब्द न बोलें। अगर ऐसा होता है तो पैचअप की उम्मीद न के बराबर हो जाती है।

बहस से बचें

कई बार लोग रिश्ते को बचाने के लिए पार्टनर से बहस करने लग जाते हैं। आपकी ये आदत रिश्ते को सुधारने से तो रही लेकिन खराब जरूर कर सकती है। ऐसे में पार्टनर को थोड़ा समय दें। उनके गुस्से को शांत होने दें। ऐसे में खुद न बात करके किसी कॉमन फ्रेंड के जरिए बात करने की कोशिश करें। वहीं ध्यान रखें जब भी आप पार्टनर से बात करें, उन्हें वैसे ही स्वीकार करें। जैसे वो हैं। उन्हें बदलने की कोशिश बिल्कुल न करें।

पैचअप के लिए फोर्स न करें

ब्रेकअप के कुछ समय बाद लोग अक्सर पैचअप के लिए अपने एक्स को बात करने के लिए फोर्स करने लगते हैं। ऐसे में सामने वाले को ये लग सकता है कि आप उस पर दबाव बना रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो पैचअप की उम्मीद खत्म हो सकती है, इसलिए ऐसा करने से बचें।

गलत कामों से बचें: ब्रेकअप के बाद अक्सर लोग गलत चीजों की ओर अधिक अट्रैक्ट होते हैं। अगर आपका ब्रेकअप हुआ है तो अपने आपको समय दें। नशे की लत और सैड सॉन्ग से दूर रहें नहीं तो ये ब्रेकअप के दर्द को और अधिक बढ़ा सकते हैं।

थाई हाई स्लिट में नूपुर सेनन दिखती हैं परम सुंदरी

कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन अपनी ग्लैमरस अदाओं से सोशल मीडिया पर कहर बरपाए रहती हैं। उनकी स्टनिंग तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती हैं। फैंस उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। फैंस उनकी ग्लैमरस तस्वीरों के लिए बेताब रहते हैं। नूपुर सेनन थाई हाई स्लिट आउटफिट में बेहद ही स्टनिंग लग रही हैं। उनकी बोल्ड तस्वीरें फैंस को काफी पसंद

आ रही हैं। किलर तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस नुपूर सेनन अपने चार्मिंग पोज देती नजर आ रही हैं। उनकी तस्वीरें फैंस को मदहोश कर रही हैं। एक्ट्रेस नूपुर सेनन भी खूबसूरती के मामले में अपनी बहन कृति सेनन से कम नहीं हैं। उनकी तस्वीरें फैंस के दिलों को बेकरार करती हैं। नूपुर सेनन अपनी बोल्डनेस से फैंस पर कहर बरपाने का हुनर बखूबी जानती हैं। उनका ग्लैमरस लुक और खूबसूरत अंदाज फैंस को अक्सर अचम्भित कर देता है। बॉलीवुड एक्ट्रेस नूपुर सेनन अपने कर्वी फिगर और खूबसूरती के दम पर सोशल मीडिया पर भी छाई रहती हैं। फैंस उनकी एक झलक का बेसब्री से इंतजार करते हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस नूपुर सेनन अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं। उनकी तस्वीरें देखकर फैंस लाइक्स और कमेंट्स कर रहे हैं। साथ ही एक्ट्रेस नूपुर सेनन जल्द ही फिल्म गणपत में भी नजर आने वाली हैं। फैंस नूपुर सेनन की तस्वीरों पर बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। साथ ही फैंस उनकी तस्वीरों पर प्यारे–प्यारे कमेंट्स कर रहे हैं। एक्ट्रेस नूपुर सेनन के इंस्टाग्राम पर 8 मिलियन से अधिक फॉलोवर्स हैं।

सिंघम अगेन में अक्षय कुमार की एंट्री, सूर्यवंशी बन लौटेंगे अभिनेता

अक्षय कुमार आने वाले दिनों में कई फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। अब एक और सुपरहिट फिल्म उनके खाते से जुड़ गई है। वही फिल्म, जिसका इंतजार सिने प्रेमियों को बेसब्री से है। फिल्म का नाम है सिंघम अगेन, जिसमें अक्षय की मौजूदगी पर मोहर लग गई है। वह इस फिल्म में सूर्यवंशी का किरदार निभाते नजर आएंगे। इसके जरिए उन्हें एक बार फिर निर्देशक रोहित शेट्टी का साथ मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन अभिनीत सिंघम अगेन में अक्षय और रणवीर सिंह दोनों की मौजूदगी की पुष्टि कर दी गई है। मार्वल यूनिवर्स की तरह जहां फिल्म में बाकी कलाकारों के कैमियो दिखाए गए हैं, वहीं अब सिंघम अगेन में भी ऐसे ही कैमियो होंगे। रणवीर की सिम्बा में जैसे अजय और अक्षय ने कैमियो किया, वैसे ही अक्षय की सूर्यवंशी में रणवीर और अजय को देखा गया। अब अजय अभिनीत सिंघम अगेन में अक्षय और रणवीर होंगे।

सूर्यवंशी 2021 में आई थी। 160 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 300 करोड़ रुपये कमाए थे। यह रोहित के कॉप यूनिवर्स की चौथी फिल्म थी, जिसमें अक्षय उर्फ वीर सूर्यवंशी का स्वैग और एक्शन दर्शकों को बेहद पसंद आया था।

सिंघम अगेन में दीपिका पादुकोण भी दिखाई देंगी। अजय और दीपिका को साथ देखना काफी दिलचस्प होगा। जहां अजय को बाजीराव सिंघम के किरदार में देखने के लिए फैंस बेताब हैं, वहीं कॉप यूनिवर्स में पहली बार दीपिका को फीमेल कॉप के रूप में देखने के लिए भी दर्शक कम उत्साहित नहीं। वह फिल्म में लेडी सिंघम में अवतार में दिखेंगी। दीपिका पहली बार अजय के साथ काम करने वाली हैं। अप्रैल में फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है।

सिंघम अगेन सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। रोहित शेट्टी इस फ्रेंचाइजी के निर्देशक हैं। इसकी पिछली दोनों फिल्में सफल रहीं। 2011 में सिंघम दर्शकों के बीच आई थी और 2014 में सिंघम रिटर्न्स रिलीज हुई थी। इन दोनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। सिंघम में अजय के साथ काजल अग्रवाल तो सिंघम रिटर्न्स में करीना कपूर नजर आई थीं। दोनों ही फिल्मों में अजय ने पुलिस इंस्पेक्टर बाजीराव सिंघम की भूमिका निभाई।

अक्षय चर्चित इंजीनियर जसवंत सिंह गिल की बायोपिक कैप्सूल गिल का हिस्सा हैं। गिल ने 1989 में अपनी जान जोखिम में डालकर कोयला खदान के 65 मजदूरों की जान बचाई थी। वह वेडात मराठे वीर दौडले सात से मराठी फिल्मों में कदम रखने जा रहे हैं। इसमें वह शिवाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे। अक्षय फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में दिखेंगे। वह फिल्म सेल्फी में काम कर रहे हैं। सी शंकरन नायक की बायोपिक भी उनके खाते से जुड़ी है।

नायर पेशे से मद्रास हाई कोर्ट में वकील और जज थे, जो हमेशा सच का साथ देते थे। 1897 में शंकरन इंडियन नेशनल कांग्रेस से जुड़े। वह सबसे कम उम्र के मलयाली कांग्रेस अध्यक्ष बने। उन्हें 1912 में अंग्रेजों ने नाइटहुड की उपाधि दी थी।

बहती नाक से पीड़ित हैं तो अपनाएं ये 5 घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

इस बदलते मौसम में तापमान और नमी में बदलाव के कारण लोग सर्दी, खांसी और बहती नाक जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ये समस्याएं भले ही आम हों, लेकिन इनके कारण आपको सिर में दर्द, अच्छा महसूस न होना और सांस लेने में मुश्किल जैसी कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिनसे बहती नाक को जल्दी ठीक किया जा सकता है।

गरम तरल पदार्थ पीएं

बहती नाक से पीडिघ्त होने पर गरम तरल पदार्थ पीने से आपकी नाक और गले को आराम मिलता है। यह आपके शरीर को हाइड्रेट भी करता है और वायरल संक्रमण को दूर रखने में भी मदद करता है। बहती नाक के लक्षणों से राहत पाने के लिए आप अदरक की चाय, फल और प्याज की चाय, लहसुन की चाय या दालचीनी की चाय भी पी सकते हैं। आप एंटी–बैक्टीरियल गुणों से भरपूर हल्दी का दूध भी पी सकते हैं।

हर्बल भाप लेने से मिलेगा आराम

भाप लेने से बलगम ढीला हो जाता है, जिसके बाद आप इसे आसानी से बाहर निकाल सकते हैं। इससे आपको बहती नाक के लक्षणों को दूर करने में मदद मिलेगी। आप मयानी नामक जड़ी–बूटी का उपयोग करके हर्बल भाप ले सकते हैं, जो अपने कई गुणों के लिए जानी जाती है। इसके लिए मयानी के पत्तों को पानी के साथ उबालकर उसकी भाप लें। इससे आपको तुरंत आराम मिलेगा। आप नीलगिरी के तेल का भी उपयोग कर सकते हैं।

सिकाई करने से मिलेगी राहत: सिकाई करने से आपके साइनस क्षेत्र में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ जाता है, जिससे आपको बहती नाक से राहत मिल सकती है। इसके लिए एक सूती कपड़े को गरम पानी में भिगोकर 15 से 20 मिनट के लिए उसे अपने माथे और नाक पर रखें। आप जिस हवा में सांस लेते हैं, उसमें मौजूद नमी से राहत पाने के लिए आप रोजाना कई बार सिकाई कर सकते हैं। इससे आपको कोई भी नुकसान नहीं होगा।

नेति पॉट का भी कर सकते हैं इस्तेमाल

बहती नाक जैसी साइनस की समस्या और बेचैनी के इलाज के लिए नेति पॉट एक प्रभावी उपाय है। यह एक ऐसा उपकरण है, जो नाक और साइनस को बाहर निकालने के लिए उपयोग किया जाता है। दिखने में यह छोटी चायदानी जैसा लगता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए पॉट में नमक और गुनगुने पानी का घोल डालें और फिर इस घोल को एक नाक में डालकर दूसरी नाक से निकाल दें।

पर्याप्त नींद लेने का रूटीन बनाएं

बहती नाक की परेशानी रात में ज्यादा खराब हो सकती है क्योंकि जब आप लेटते हैं तो गुरुत्वाकर्षण के कारण बलगम निकलने के बजाय सिर में जमा हो जाता है। इससे बचाव के लिए आप अपने सिर के नीचे एक अतिरिक्त तकिया रख सकते हैं और अपने बिस्तर के किनारे एक कूल–मिस्ट वेपोराइजर रख सकते हैं। इससे बलगम पतला होगा और आपको सांस लेने में आसानी होगी। आप चाहें तो नेजल ब्रीदिंग स्ट्रिप भी पहन सकते हैं।